नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, बिहार से प्रसारित

सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 03, अंक 381, नई दिल्ली, शनिवार 21 मार्च 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

"सच्ची सफलता वही है,जो केवल ऊँचाई तक पहुँचने में नहीं,बल्कि दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ने में मिलती है।"

03 चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन इस विधि से करें मां चंद्रघंटा की पूजा और पढ़ें कथा
06 डिजिटल युग में किताबों, अखबारों और मैगजीन की ओर लौटता भारत
08 पचास हजार रिश्वत लेते फंसा झारखंड का नया अधिकारी जो अपना पहला वेतन तक

परिवहन विशेष — देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र | India's First Leading English Transport Newspaper parivahanvishesh | NEWS NTV TRANSPORT VISHESH www.newstransportvishesh.com

परिवहन विशेष, (द्विभाषी हिंदी और अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र), भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा अनुमोदित समाचार पत्र द्वारा आपको

सौहार्दपूर्ण निमंत्रण

परिवहन विशेष, पत्रकारिता में उत्कृष्टता, जन जागरूकता और राष्ट्रीय विकास के लिए समर्पित एक विशिष्ट मंच।

अपने तीसरे वार्षिक सम्मान समारोह दिनांक: 29 मार्च 2026, समय: दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक, स्थान: मावलंकर हॉल, कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में अत्यंत गर्व और अपार प्रसन्नता के साथ आपको हार्दिक और सम्मानपूर्वक आमंत्रित करते हैं, आप हमारे कार्यक्रम में शामिल हों।

इस कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, विचारकों, नीति निर्माताओं और प्रमुख हस्तियों की गरिमामय उपस्थिति देखने को मिलेगी।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाने और भारत देश में उठे अति ज्वलनशील मुद्दों के हल के प्रति विचार जानने, सुनने और बताने में आपकी उपस्थिति हमारे लिए सम्मान की बात होगी।

ट्रांसपोर्ट विशेष न्यूज द्वारा रजिस्ट्रार ऑफ न्यूजपेपर्स फॉर इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त दो भाषाओं में संचालित (हिन्दी एवम् इंग्लिश) "परिवहन विशेष" दैनिक समाचार पत्र के तृतीय सालाना सम्मान समारोह दिनांक 29 मार्च (रविवार), समय 1 बजे से 6 बजे स्थान मावलंकर ऑडिटोरियम कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आप सभी आमंत्रित हैं।

इस वर्ष का वार्षिक सम्मान समारोह भारत देश के ज्वलंतशील मुद्दों पर आधारित है और उसके हल के प्रति समर्पित है।

इसी उद्देश्य की पूर्ति करने के प्रति परिवहन विशेष के प्रबंधक मंडल द्वारा भारत देश के अति विशिष्ट एवम् विशेषज्ञों की राय प्रस्तुत करने हेतु भारत देश की अति विशिष्ट एवम् भारत देश के प्रथम नागरिक के लिए गर्वनीत सर्वोच्च पद पर आसीन एवम् सेवा निवृत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री एवम् सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश कार्यरत एवम् सेवानिवृत्त को ईमेल द्वारा अनुरोध कर उपस्थित होकर अपने विचार रखने का अनुरोध किया है।

कैबिनेट स्तर भारत सरकार के मंत्रियों, दिल्ली परिवहन आयुक्त, दिल्ली पुलिस आयुक्त एवम् अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात कर इस समारोह में सम्मिलित होकर जनहित में अपने विचार प्रकट करने का अनुरोध किया है।

इस समारोह मे ऊपरलिखित अति विशिष्ट गणमान्यों के अतिरिक्त कई राज्यों के उच्च न्यायालय से सेवा निवृत न्यायाधीश, जिला न्यायालय के पदासिन न्यायाधीश के साथ उच्च स्तरीय सरकारी पदों पर कार्यरत/ सेवानिवृत्त अधिकारी, राजनयिक एवम् राजनीतिज्ञ के साथ साथ अधिवक्ता, समाज कल्याण संस्थाओं के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपस्थित रहकर अपने विचार प्रकट करेंगे।

इस सम्मान समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आपका मन मोह लेंगे।

आपकी जानकारी हेतु इस सम्मान समारोह में उपस्थित होने वाले कुछ विशिष्ट गणमान्यों, विशेषज्ञों और समाज सेवा में समर्पित नाम प्रस्तुत कर रहे हैं।

अगर आप भी भारत देश को प्रदूषण मुक्त, दुर्घटना एवं जाम मुक्त, साइबर क्राइम मुक्त और महिला सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार नागरिक है और इन मुद्दों को भारत देश से जड़ से खत्म होने पर सहमति रखते हैं तब परिवहन विशेष समाचार पत्र का 29 मार्च रविवार को संपन्न होने वाला यह तीसरा सालाना सम्मान समारोह आपके लिए भी अति विशेष है और आपकी उपस्थिति हमारे लिए।

इस सालाना सम्मान समारोह को अति विशेष कार्यक्रम बनाने के लिए परिवहन विशेष प्रबंधक मंडल के लिए सहयोग में कंधे से कंधा मिलाकर प्रयासरत है, टेंपल आफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर अलाइड ट्रस्ट पंजीकृत, दिल्ली प्रदेश बंगाली प्रकोष्ठ की पिंकी कुंडू, रक्षा द सेवियर संस्था की अध्यक्ष इंदु राजपूत, सर्व धर्म मित्र मंडल के अध्यक्ष केके छाबड़ा, राजपूत समाज के लिए समर्पित जनसेवक सोबरन सिंह राजपूत, आर के राजपूत, अधिवक्ता संगीता मल्होत्रा तलवार, अधिवक्ता विकासदीप शर्मा एवं अभिषेक राजपूत। परिवहन विशेष प्रबंधक मंडल इनके सहयोग के प्रति आभार प्रकट करती है।

29 मार्च 2026 को परिवहन विशेष समाचार पत्र के तृतीय सालाना सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर जनहित में अपने विचार प्रकट करने के लिए उपस्थित होने वाले अति विशिष्ट, विशिष्ट एवम् विशेषज्ञों के विचार जानने के लिए आप सभी आमंत्रित हैं।

इस सम्मान समारोह में "परिवहन विशेष" के प्रबंधक मंडल द्वारा भारत देश के ज्वलंतशील मुद्दों के हल के प्रति विचार प्रकट करने हेतु विशेष रूप से निवेदन पर निम्नलिखित अति आदरणीय की उपस्थिति

कार्यक्रम में अपने मूल्यवान विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित होने वाले अतिथियों की पुष्टि सूची

"From Medical field"

* Dr. Anirban Hom Choudhuri Director Professor & HOD (Critical Care) VMCC & Safdarjung Hospital New Delhi
* Dr. C.B. Tripathi HOD, Department of Biostatistics, institute of Human Behavior and Allied Science (IHBAS)
* Dr. Rachna Agarwal Professor & HOD Department of Neurochemistry, Institute of Human Behaviour and Allied Science (IHBAS)
* Dr. Uday Kumar Sinha Professor, Department of Clinical Psychology, institute of Human Behavior and Allied Science (IHBAS)
* Dr. Sanjay Kumar Rai Professor Center for Community Medicine (AIIMS)
* Anil Kumar Singh, Asstt CMO IPGCL
* Dr R K Chaubey Ji, CMO NFSG Department of Forensic Medicine and Toxicology, Deen Dayal Upadhyay Hospital

****

"Bureaucrats and Govt official"

* Doctor banvari lal ex Chief principal income tax comissioner New delhi
* Chander Mohan R, IAS (Retd)
* Dr.M.Ravi Kanth, IAS (Retd)
* VIRENDER SINGH KALSHAIN, Ex-IRS, Deputy Commissioner, CBIC (GST & CUSTOMS) Ministry of Finance, New Delhi
* Ashish Ujlayan IRTS, Joint Director Business Development Railway Board Ministry of Railways
* Dr.R.K.Bhatnagar, Former Commissioner, IAS Retd. MEERUT
* Dr. Shourjo chatterjee. IA & AS (Retd), Ex Accountant General, Jammu & Kashmir
* Shri Ranjeet Singh IAS Secretary Vidhansabha Delhi
* Brig Gautam Segan SC SM (Retd), SHAURYA CHAKRA SENA MEDAL.
* Dr. Chitralekha Sharma Director Home Ministry Government of India.
* Mr. Nitin Pramod IFS , Director in the Ministry of External Affairs, Delhi
* Suresh Sharma Finance officer, Home ministry
* Mr. Alok kumar Chief General Manager(LPG), Retired, Indian Oil Corporation(Marketing Division), Delhi
* Mr. Ved Prakash ASP, Tihar jail, Honoured two times with Presidential Award Two times (2010, 2021)
* Dr. Dharampal Bhardwaj Chief Fire Brigade (President Awardee)
* Er. Narinder malik, General secretary All India Engineering Association
* . Ashok Kumar, Principal Private Secretary, Prasar Bharati
* Sh Ashok Sexena, Protocol Officer, Ministry of Health
* Bhupinder Singh DANICS
* Sandeep kumar dey Assistant chemist, Delhi Jal Board
* Mrs. Rashtriya jyoti Lab technician, Delhi jal board
* Rajpal Dahiya, Ministry of External Affairs, ASO, Retired, Assistant Section Officer
* Anju randhava, Joint Director
* Mrs. MANJU S KALSHAIN, DANICS (Adhoc), ADMN. OFFICER, Higher Education Department , Government of NCT of Delhi
* SURESH KUMAR SINGH, SANSKAR BHARTI HIMACHAL PRADESH, Now DELHI Sanskar Bharti PRASHAR Parchar Pramukh
* Sh Rahul Gupta, Assistant Engineer CPWD
* Pooran Singh, Superintending Engineer , Ministry of Road Transport and Highways.
* Amrendra Gupta Sr Correspondent (Political), DD News, Delhi

" Legal"

* Justice Rajesh Tandon Former judge, Uttarakhand High Court
* Presiding judge, Daily Lok Adalat Nainital High Court UK
* Sh. Dr. K. Venkaresan former civil judge, Tamilnadu Judiciary Chennai
* Dr Adish C Aggarwala President, International Council of Jurists, London
* Ex President, Supreme Court Bar Association
* Dr. Zeeshan Anjum (Life Panel Member SCBA & BAI) Hon'ble Supreme Court of India.
* Sandhya bajaj Advocate Supreme court former Chairman Haryana Handloom Apex former member National Commission for protection of Child Rights A great Social Reform er doing Free legal Advice Working for Children rights
* Mithelesh Panday, National Vice President RPI, Adv Supreme Court of India.
* Sangita Malhotra Talwar Senior panel Counsel Central Government
* Mr. Vikas Jain Advocate & Solicitors Supreme Court of India
* Mr. Abhishek panwar Advocate Supreme Court of India
* Dr. A.P. Singh Renowned Advocate, Supreme Court
* Renu Bhatt Dubey, ADV Supreme Court of India
* Shehla Chaudhary Advocate, Supreme Court
* Laxmi Narain Rao Retired Deputy Commissioner of Police, Advocate Delhi High Court
* Rajiv Chatterjee, Advocate High Court, Advocate Secretary, Association of Voluntary Agencies for Rural Development Social crusader
* Mohit Malik Advocate High court
* K K Mannan, Senior Advocate and former chairman bar council of Delhi
* Vikasdeep Sharma Advocate Supreme Court of India
* D K Sharma, President DBA Tees Hazari court Delhi
* Avnish Rana, President Dwarka District Court Bar Association Delhi
* Dinesh Kumar Mudgil Ex-President Dwarka District Court Bar Association Delhi
* Rajeshwar Dagar, Former Hony. Secretory Dwarka Court Bar Association Delhi
* Naveen Parashar, District Judge, Secretary Law & Legislative Affairs Department, Government of Madhya Pradesh New Delhi
* Ravinder Kumar pahuja Spl. Judicial Magistrate first class, High Court of Delhi
* Suresh Kumar Gupta, Former District Judge Rohini court Delhi, P.O District Consumer Forum Dwarka Delhi
* Deepak Jagotra, Former District Judge, Karkardooma court Delhi, P.O MCD House Tax Appellant Tribunal Delhi
* Surya Prakash Khatri, MLA Timarpur assembly and former Chairman Bar Council of Delhi
* Sudhir Sharma, Advocate, Vice President, Vishwa Hindu Parishad, Noida Metropolitan, General Secretary, Anti-Corruption of India, Uttar Pradesh, National General Secretary, All India Hindu Seva Dal, National Vice President, Bharatiya Shramik Kamgar Maha Sangh, a Bharatiya Janata Party (BJP) affiliate, Member of the Quality Council of India, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, Director of Environment, Forest and Climate Change Promotion Council Unit, Nature Welfare Council
* Advocate Poonam Singh, National President of Bhagwan Dattatreya Dham and Women Power and Unity, Vice President of the West District Temple Cell, BJP

PLEASE TURN OVER

RNI No. RNI No :- DELHIN/2023/86499
परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
India's First Leading English Transport Newspaper
parivahanvishesh
NEWS NTV
TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com

परिवहन विशेष, (द्विभाषी हिंदी और अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र), भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा अनुमोदित समाचार पत्र द्वारा आपको

सौहार्दपूर्ण निमंत्रण

कार्यक्रम में अपने मूल्यवान विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित होने वाले अतिथियों की पुष्टि सूची

"Social"

* Shri Parvinder Singh Ambassador World Peace Institute United Nation
* * Dr Ramesh Mishra PHD, Gold Medalist by president in music, Retd Principal
* Pankaj Nanda National President, Mahadev Sena
* Shri Suresh Sharma founder and National President Jai Hind Manch
4. Sanjay Sharma, National President, Sanatani Hindu Bhagwa Sena
* Chairman My Gym Daak Kaawad Fouj
* Mr. Vijay Pore, chairman, Public Devasthan Trust Federation, Maharashtra State (Head Office, Satara)
* Dr. Manoj kumar (Mannu Tomar), President,
* Bhartiya Namo Sangh
* NGO & Sociyal Activist Association (Bharat)
* Sakriya bharat
* Sushri Rochika Aggarwal Vishwa Sanatan Hindu Sangh President
* Dr Raj Kumar Yadav National President, "UFTTSA" National United Front (Truck Transport Sarathi)
* Jathedar Dr. Avtar Singh Former Mayor North Delhi
* Mr. Jagjeet Singh Goldy Delhi prant sanyojak Bajrang dal
* Smt. Khulna Laimayum women's cell In Charge North east women cell
* Yamuna prasad Uttam jilla Sanghathan mantri Vishwa Hindu Parishad
* Meenakshi Gupta Uttam District Vice President Vishwa Hindu Parishad, Former jilla mantri Seva Bharti, Founder Samarth Blind Welfare Foundation Collaborate with Blind Person Association
* Anil Kumar Verma, President, Blind Persons Organization
* Chanderpal Bairwa, Disst. President, Mehrauli, SC Cell, Bhajpa, Editor, Delhi aur Delhi
* Meenu Jain, Sah baudhik Pramukh, Rashtra Sevika Samiti, Dilli Prant
* * Ravi Sharma, National General Secretary – Amit Shah Youth Brigade, Director – Climate and Weather Board – Uttar Pradesh, Nature Welfare Council, Member – Quality Council of India, State Secretary – Uttar Pradesh, Bhartiya Shramik Kamgar Karmachari Mahasangh
* Deepak Dhar, President Jai Shree Ram Seva Dal
* Divya Sharma, District President, Mahila Congress, Director, Uttar Pradesh Plantation Board & Nature Welfare Council, Mrs. India Attitude Crown (20/02/2020), Former Women's Wing President, All India 'Aapki Awaaz' Social Organization (2023)
* Udayan kulshreshtha, Central vice chairman in nature welfare council, Central secretary in anant sewa sansthanam, Central vice chairman in nar narayan sewa trust, Founder and chairman vivache international, Central chairman club vivache
* Indu Rajput Chairman Raksha The Saviour
* Safiena Joseph, President Nari Shakti
* Pinki Kundu, Temple of Liberalization and Welfare Allied Trust
* Aapda Mitr, West Zone Delhi
* Civil Defence, West Zone Delhi
* Pradeep sharma, Aam admi party Former Mcd elected councillor Former district president And General Secretery delhi congress

"Educator"

* Shrimad Jagatguru Shri Brahmamadhav Goreshwaracharya Brajrasik Ji Maharaj Central Chief Patron, Sanatan Dharma Pratinidhi Sabha
* Member, Central Guidance Council, Vishwa Hindu Parishad
* Dr. Acharya Manoj Nayyar National President Jyotish Mahasangh
* Dr. N Pujaprasun Professor Numerology Gold medalist
* SH Hetram, Ji, Jyotishacharya
* Parull Bhatnaggar, Astro-Numero-Vastu Expert, Indirapuram, Ghaziabad
* Ajay Rathi, Senior Athletics coach Haryana govt Sports department
* Dr. Ranbir Singh Laishram International Gold medalist in Martial Arts
* Rupkishore Rajput Manager, Aman Computer Systems, Kalkaji, New Delhi
* Arunanda (YAG GURU), Palwal Haryana
* Mahant Yogi Rohtash Nath
* Bramchari Kamleshwarand Maharaj

"Experts"

* PROF. DR. R.S. NEHRA, Academician. Entrepreneur National Security Educator Visionary Scholar. Strategist
* Yoginder Dagar, DGM (Cyclist)
* Maharaj singh Expert motor vehicle Act and rules
* Dr Veerendra Singh Rathore Deputy Transport Commissioner (Road Safety) Transport and Road Safety Department, Govt of Rajasthan
* Mukesh Dayal ex DTO Delhi Transport Department
* Mr. AJOY SHAH FOUNDER CEO VEDD CONSULTANT - TRAINER COACH & MENTOR , FIELDS OF SALES & MARKETING , COMMUNICATION , TYRE CARE & SAFETY
* Pilot Anil Sharma

इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे

1. Nancy Bathla Singh, Ganesh Vandana
2. Dr Rama Shankar Mishra, Solo song performance
3. Swastika mishra, Solo song performance
4. Jainit mishra, Solo song performance
5. kiran Mishra, Solo song performance
6. Dr. Ranbir Singh Laishram Martial Arts
7. Sangeeta Dastidar Kathak Dancer (Freelancer soloist), Saraswati vandana
8. Sapna prajapati Durgavahini Shastra vidhya
9. Drishti choudhary Kathak dance
10. Mansi Sharma, Vande Mataram
11. Vaibhika Manna, National Anthem

इस कार्यक्रम में जनहित जनकल्याण में कार्यरत निम्नलिखित एनजीओ को उनके कार्यों के प्रति सम्मानित किया जाएगा

1. Vikas Kumar Rai, Vaishnavi social work foundation, 8750322043
2. K.K Chhabra, Transporters Representative welfare Association Regd, 9910234578
3. Sefina Joseph , President of Narri Shakti Woman Welfare charitable trust 7625098270
4. Dharmendra Gullaiya Patron , Shri Dharmik sewa sangathan, 9999950556
5. Neelima barna Nideshak Swatantrata senani VP Singh Sansthan nideshak udaipur rajasthan, 9079903004
6. Dr. Sushma Vashisth, SANKALP CHARITABLE TRUST, 7011670379
7. Jitender ahlawat , Treasurer The mellow foundation, 99999 50556
8. Ashima NGO SarvaPrana Suddhi Association, Indian Specialised Counselling Academy, 9582492531
9. Vikasdeep sharma, Sarvjan kalyan trust , 9911994525
10. Yashu Agrawal, Team we care trust, 8285378158

इसके अतिरिक्त साहित्य जगत में समर्पित साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा

1. Santosh Kumar sharma -
2. Dr Varsha Singh -

इसके अतिरिक्त अन्य कुछ व्यक्तियों को उनके द्वारा किए जा रहे समाज सेवा के प्रति सम्मानित किया जाएगा।

1. Jai khurana -7291017156 (yoga instructor)
2. Jagdish Chand- 9899190633 (hospital)

इस कार्यक्रम में समाज सेवा में समर्पित समाजसेवको को भी उनके द्वारा किए जा रहे समाज सेवा के कार्यों तथा समाज सेवा के समर्पण के प्रति सम्मान प्रदान किया जाएगा।

1. Santosh kumar chaturvedi -8539917550
2. Vaibhav Kaushik- 9899444253
3. Sandeep batra-9813072976
4. Raj kumari devi- 9810950415
5. Chhaya Singh-9289406039
6. Nidhi Sharma-9355109409
7. Virender Kumar Chaturvedi- 7982436532
8. Hemraj Gurjar-9560088812
9. Swatantar Singh Bhallar- 9811332377
10. Neetu yadav-9990866976
11. Jitender-9310127688
12. Usha Thakur-9971346847
13. Roshan-9319486072
14. Mrs Indu Sharma- 9899408386
15. Ramesh Kumar Mishra- 9911746070
16. kiran kumari Mishra- 9990210806
17. Raunak Raj-9931824663
18. Deep mala-6396815202
19. Amrit Kalra , 9650170032

तीसरा वार्षिक
सम्मान समारोह
2026

TRANSPORT VISHESH NEWS LIMITED
www.newsparivahan.com, www.newstransport.in

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, बिहार से प्रसारित

सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2)
Press/2023

परिवहन विशेष

www.newsparivahan.com

वर्ष 03, अंक 381, नई दिल्ली, रविवार 21 मार्च 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

"सच्ची सफलता वही है,जो केवल ऊँचाई तक पहुँचने में नहीं,बल्कि दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ने में मिलती है।"

03 चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन इस विधि से करें मां चंद्रघंटा की पूजा और पढ़ें कथा

06 डिजिटल युग में किताबों, अखबारों और मैगजीन की ओर लौटता भारत

08 पचास हजार रिश्वत लेते फंसा झारखंड का नया अधिकारी जो अपना पहला वेतन तक

वास्तुः जब अच्छी मंशा गलत दिशा में चली जाए — सटीकता है सबसे महत्वपूर्ण

वास्तुको अक्सरएक आसान और लगभग जादुई समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाता है—यहाँ कुछ रखिए, वहाँ कुछ बदल दीजिए और जीवन में सुधार देखिए।

आइए एक छोटा सा सवाल से शुरुआत करते हैं:

क्या आपने कभी किसी वीडियो या ऑनलाइन गाइड देखकर कोई वास्तु उपाय अपनाया है?

हाँ आगे ध्यान से पढ़िए

नहीं आप कुछ बड़ी गलतियों से बच सकते हैं

वास्तुशास्त्र कोई त्वरित उपायों (Quick Fixes) का संग्रह नहीं है, बल्कि यह दिशाओं, उप-दिशाओं और सटीक डिग्री पर आधारित एक गहन वैज्ञानिक प्रणाली है।

लेकिन आज अधिकांश लोग इसे छोटे-छोटे कंटेंट के माध्यम से समझते हैं, जहाँ एक बहुत महत्वपूर्ण आधार को नजरअंदाज कर दिया जाता है—स्पेस का सही ग्रिड निर्धारण।

वास्तुशास्त्र केवल दर्पण, पौधे या पानी के बर्तन "शुभ कोनों" में रखने तक सीमित नहीं है। यह एक जटिल प्रणाली है जो आधारित है:

मुख्य दिशाएँ (उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम)

उप-दिशाएँ (उत्तर-पूर्व, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम)

सटीक डिग्री (सिर्फ अनुमान नहीं)

ऊर्जा ग्रिड (वास्तुपुरुष मंडल)

यह सजावट का नियम नहीं, बल्कि एक प्रकार का ऊर्जा-आधारित गणितीय विज्ञान है।

सबसे बड़ी गलती कहाँ होती है?

जब हम अपने घर या ऑफिस को देखते हैं, तो हम दिशा कैसे तय करते हैं?

क्या यह केवल अनुमान, नक्शे के हिसाब से, या सामान्य समझ के आधार पर होता है?

सच्चाई यह है:

अगर शुरुआती दिशा ही थोड़ी गलत हो, तो हर उपाय गलत दिशा में जा सकता है।

"क्विक फिक्स वास्तु" की समस्या

आजकल लोग वास्तु सीखते हैं:

YouTube वीडियो से

Instagram रील्स से

"Top 5 Remedies" वाले ब्लॉग्स से

यह सुनने में मददगार लगता है, लेकिन समस्या यह है कि ये सामान्य सुझाव एक विशेष और जटिल प्रणाली पर लागू किए जाते हैं—जिससे सही परिणाम नहीं मिलते।

सोचिए:

क्या हम बिना जांच के कोई दवा ले लेंगे सिर्फ इसलिए कि किसी और को उससे फायदा हुआ?

ठीक यही गलती हम वास्तु में करते हैं।

डिग्री का महत्व

वास्तु में उत्तर-पूर्व (Northeast) केवल एक कोना नहीं है।

यह 32 से 67.5 के बीच का एक निश्चित क्षेत्र है, जिसमें उप-ज़ोन भी शामिल होते हैं।

अगर 5–10 डिग्री का भी अंतर हो जाए, तो ऊर्जा पूरी तरह बदल सकती है।

उदाहरण:

अगर आप पानी का तत्व उत्तर-पूर्व मानकर रखते हैं, लेकिन वह वास्तव में पूर्व-उत्तर-पूर्व या उत्तर-उत्तर-पूर्व में है, तो परिणाम उल्टे हो सकते हैं—

स्पष्टता के बजाय भ्रम

विकास के बजाय अस्थिरता

सामान्य गलतियाँ

घर के नक्शे के ऊपर वाले हिस्से को ही उत्तर मान लेना

मोबाइल कंपास का बिना कैलिब्रेशन उपयोग करना

जगह को मोटे तौर पर वर्गों में बाँटना

"NE = पानी" को बिना सोचे समझे लागू करना

परिणाम?

उपाय काम नहीं करते

नई समस्याएँ उत्पन्न होती हैं

पुरानी समस्याएँ बढ़ जाती हैं

जब अच्छी मंशा गलत हो जाती है

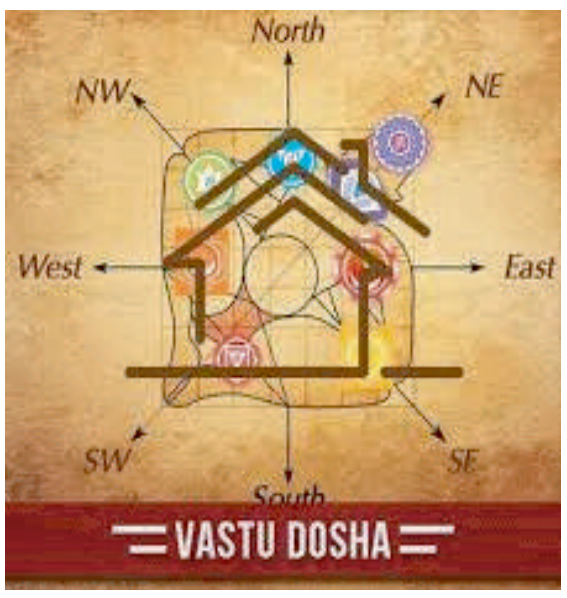

लोग अपनी जिंदगी सुधारना चाहते हैं—यह अच्छी बात है।

लेकिन अधूरी जानकारी के साथ किया गया प्रयास उल्टा असर डाल सकता है।

उदाहरण:

भारी वस्तु को दक्षिण-पश्चिम मानकर रखना, जबकि वह दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम हो

परिणाम: रिश्तों में तनाव, नियंत्रण की कमी, करियर में रुकावट

दर्पण का गलत उपयोग

परिणाम: चिंता, नींद की समस्या, अधिक सोच

क्या वास्तु सच में काम नहीं करता?

जब परिणाम नहीं मिलते, तो लोग कहते हैं—"वास्तु काम नहीं करता।"

लेकिन सवाल यह है:

क्या वास्तु गलत था, या दिशा, डिग्री और ग्रिड की समझ गलत थी?

वास्तु असफल नहीं होता—हम उसे सरल बनाकर गलत कर देते हैं।

फ्री जानकारी का खतरा

मुफ्त कंटेंट अक्सर:

जटिल सिद्धांतों को सरल बना देता है

व्यक्तिगत संरचना को नजरअंदाज करता है

ग्रिडिंग को छोड़ देता है

यह गलत नहीं है—लेकिन अधूरा है।

और वास्तु में अधूरी जानकारी भ्रामक हो सकती है।

हर व्यक्ति और हर स्थान के लिए अलग समाधान होता है।

विशेषज्ञ की जिम्मेदारी

ए क Astro–Numero–Vastu Expert के रूप में, मैं बार-बार यह पैटर्न देखता हूँ।

यह केवल मेरा पेशा नहीं, बल्कि मेरी जिम्मेदारी है कि लोगों को सही दिशा में मार्गदर्शन दूँ।

मेरा कार्य केवल उपाय बताना नहीं है, बल्कि यह समझाना है कि:

क्यों करना है

कहाँ करना है

कैसे करना है

क्योंकि बिना समझ के सबसे अच्छा उपाय भी बेअसर हो सकता है।

अंतिम प्रश्न

अगली बार जब आप कोई वास्तु उपाय अपनाएँगे,

क्या आप अपनी दिशा, डिग्री और ग्रिड को सही से जाँचेंगे?

या फिर अनुमान पर भरोसा करेंगे?

यही एक निर्णय तय करेगा कि आपके प्रयास संतुलन लाएँगे या भ्रम।

निष्कर्ष

वास्तु जटिलता नहीं मांगता—

वह सटीकता मांगता है।

और जब आप इस सटीकता को समझ लेते हैं,

तो सब कुछ उसी तरह बदलने लगता है, जैसा होना चाहिए।

परुल भटनागर
Astro–Numero–Vastu Expert
8750075550

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन इस विधि से करें मां चंद्रघंटा की पूजा और पढ़ें कथा

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन दुर्गा मां के चंद्रघंटा रूप की पूजा की जाती है। नौ दिनों तक चलने वाली नवरात्रि के दौरान मां के नौ रूपों की पूजा की जाती है। मां चंद्रघंटा राक्षसों का वध करने के लिए जानी जाती हैं। मान्यता है कि वह अपने भक्तों के दुखों को दूर करती हैं इसलिए उनके हाथों में धनुष, त्रिशूल, तलवार और गदा होता है। देवी चंद्रघंटा के सिर पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र नजर आता है। इसी वजह से श्रद्धालु उन्हें चंद्रघंटा कहकर बुलाते हैं।

मां चंद्रघंटा का स्वरुप कैसा है

मां चंद्रघंटा के मस्तक पर एक घंटे के आकार का चंद्रमा स्थित है, जिससे उनका नाम चंद्रघंटा पड़ा। यह नाम उनके दिव्य रूप को दर्शाता है, जिसमें एक अद्वितीय तेज और ममता समाहित है। मां चंद्रघंटा का स्वरूप अत्यंत अलौकिक और भव्य माना जाता है। उनका रूप शांतिपूर्ण होने के साथ-साथ उनकी शक्ति भी अद्वितीय है, जो हर क्षेत्र में सफलता और समृद्धि प्रदान करती है। मां चंद्रघंटा की पूजा से जीवन के सभी पहलुओं में सफलता प्राप्त होती है। विशेष रूप से, इस दिन सूर्योदय से पहले पूजा करनी चाहिए, क्योंकि इस समय मां की विशेष कृपा प्राप्त होती है। पूजा में लाल और पीले गेंदे के फूल चढ़ाने का महत्व है, क्योंकि ये फूल मां की ममता और शक्ति का प्रतीक हैं। मां चंद्रघंटा के मस्तक पर अर्द्धचंद्र के आकार का घंटा स्थित है, जो उनकी महिमा और तेजस्विता को दर्शाता है। यही कारण है कि देवी का नाम चंद्रघंटा पड़ा।

मां का विशेष प्रसाद

मां चंद्रघंटा को दूध या दूध से बनी मिठाई का भोग लगाना चाहिए। प्रसाद चढ़ाने के बाद इसे स्वयं भी ग्रहण करें और दूसरों में बांटें मां चंद्रघंटा की आराधना से साधक में वीरता और निर्भयता के साथ ही सौम्यता और विनम्रता का विकास होता है मां चंद्रघंटा के शरणागत होकर उनकी उपासना-आराधना करें।

मां चंद्रघंटा की पूजा विधि

लाल वस्त्र धारण करके मां चंद्रघंटा की उपासना करना उत्तम होता है। मां को लाल फूल, रक्त चंदन और लाल चुनरी समर्पित करनी चाहिए। नवरात्रि के तीसरे दिन मणिपुर चक्र पर 'रं' अक्षर का जाप करने से मणिपुर चक्र मजबूत होता है अगर इस दिन की पूजा से कुछ अद्भुत सिद्धियों जैसी अनुभूति होती है तो उस पर ध्यान न देकर आगे साधना करते रहना चाहिए।

मंगल दोष से मुक्ति

कुंडली में मंगल कमजोर है या मंगल दोष है तो देवी की उपासना बेहद कारगर है लाल रंग के वस्त्र धारण करके मां की आराधना करें। मां को लाल फूल, ताम्बे का सिक्का या ताम्बे की कोई वस्तु चढ़ाएं। मां को हलवा या मेवे का भोग भी लगाएं। मां के किसी भी मंत्र का जाप करें। फिर मंगल के मूल मंत्र का जाप करें। मंगल का मंत्र होगा- ॐ अं अंगारकाय नमः. मां को अर्पित किए गए ताम्बे के सिक्के को अपने पास रख लें

मां चंद्रघंटा का पूजा मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

पिण्डज प्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।

प्रसादं तनुते महयं चन्द्रघण्टेति विश्रुता।।

मां चंद्रघंटा की महिमा

मां चंद्रघंटा के माथे पर अर्धचंद्र सुशोभित है, इसलिए इन्हें चंद्रघंटा कहा गया है। माता चंद्रघंटा के दस हाथ हैं। इनके दसों हाथों में अस्त्र शस्त्र हैं और इनकी मुद्रा युद्ध की है। इनकी पूजा करने वाला व्यक्ति पराक्रमी और निर्भय हो जाता है। ज्योतिष में इनका संबंध मंगल ग्रह से होता है। इनकी आराधना से स्वभाव में भी विनम्रता आती है।

नवरात्रि के तीसरे दिन का महत्व

नवरात्रि का तीसरा दिन साहस और आत्मविश्वास पाने का है। इस दिन मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना करने पर हर तरह के भय से मुक्ति मिल जाती है। नवरात्रि के तीसरे दिन माता चन्द्रघण्टा की पूजा-अर्चना उन लोगों को विशेष रूप से करनी चाहिए, जिनकी कुंडली में मंगल कमजोर है। नवरात्रि के तीसरे दिन विशेष साधना से व्यक्ति निर्भय हो जाता है।

आचार्य पंडित सुधांशु तिवारी
प्रश्न कुण्डली विशेषज्ञ/
ज्योतिषाचार्य

शोर में डूबती सड़कें, बेकाबू बीट्स, बेहाल समाज

-डॉ. प्रियंका सौरभ

सड़कें मूलतः लोगों और वाहनों के सुरक्षित तथा सुगम आवागमन के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक नई प्रवृत्ति ने इस मूल उद्देश्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। यह प्रवृत्ति है—मोबाइल डीजे और अत्यधिक तेज ध्वनि के साथ सड़कों पर निकलने वाले वाहन। शादी-ब्याह, जुलूस और विभिन्न आयोजनों के नाम पर चलने वाले ये डीजे अब केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गए हैं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में अव्यवस्था और असुविधा का बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। 100 से 120 डेसिबल तक की ध्वनि, जो इन डीजे सिस्टम से निकलती है, न केवल कानों के लिए हानिकारक है, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर खतरा उत्पन्न करती है। जब इतना तेज शोर आसपास गूंज रहा होता है, तो पीछे से आने वाले वाहन का हॉर्न तक सुनाई नहीं देता, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

ध्वनि प्रदूषण को अक्सर हम उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी अन्य प्रकार के प्रदूषण को, जबकि इसका प्रभाव सीधे हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अत्यधिक तेज आवाज अस्थायी बहरेपन, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और लंबे समय में स्थायी श्रवण क्षति तक का कारण बन सकती है। सड़कों पर जब ये मोबाइल डीजे गुजरते हैं, तो राहगीर, दुकानदार, बुजुर्ग और बच्चे सभी इससे प्रभावित होते हैं। यह समस्या तब और गंभीर हो जाती है, जब ये वाहन उन क्षेत्रों से गुजरते हैं जहाँ शांति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है—जैसे स्कूल, अस्पताल और लाइब्रेरी। एक कक्षा में पढ़ रहे बच्चों का ध्यान अचानक भंग हो जाना, अस्पताल में भर्ती मरीजों की नींद और आराम में बाधा आना, या लाइब्रेरी में पढ़ रहे छात्रों की एकाग्रता टूट जाना—ये सब केवल असुविधा नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ढांचे पर पड़ने वाला सीधा प्रभाव है।

तेज डीजे का असर केवल शारीरिक स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित करता है। अक्सर देखा गया है कि ऐसे आयोजनों में, जहाँ तेज संगीत और भीड़ का माहौल होता है, वहाँ लोग सामान्य बातचीत तक नहीं कर पाते। संवाद की कमी और ध्वनि की तीव्रता मिलकर एक ऐसा वातावरण तैयार करती है, जिसमें छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने लगते हैं। जब इसमें नशे का तत्व जुड़ जाता है, तो स्थिति और भी जटिल हो जाती है। कई बार ये विवाद झगड़े, पुलिस शिकायतों और हिंसा तक पहुँच जाते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि अत्यधिक तेज संगीत और नशा मिलकर एक ऐसा उत्तेजक माहौल बनाते हैं, जो लोगों के व्यवहार को असामान्य और आक्रामक बना सकता है। कानून के स्तर पर देखें तो ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए स्पष्ट नियम मौजूद हैं। विभिन्न क्षेत्रों के लिए ध्वनि की सीमा तय की गई है, और रात के समय लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध भी है। स्कूलों, अस्पतालों और अन्य संवेदनशील स्थानों के आसपास तो विशेष रूप से साइलेंस ज़ोन घोषित किए गए हैं। इसके बावजूद, मोबाइल डीजे का खुलेआम इन नियमों का उल्लंघन करना एक सामान्य बात बन गई है। कई बार प्रशासनिक लापरवाही या सामाजिक दबाव के कारण इन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इससे यह संदेश जाता है कि नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, और उनका पालन करना आवश्यक नहीं है।

इस पूरे मुद्दे में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि लोग इसे अपने "मनोरंजन का अधिकार" मानते हैं। निश्चित रूप से हर व्यक्ति को अपने जीवन के खुशी के अवसरों को मनाने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार तब तक ही उचित है, जब तक वह दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन न करे। जब किसी का उत्सव दूसरे की शांति, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए समस्या बन जाए, तो वहाँ संतुलन आवश्यक हो जाता है। सड़कें सार्वजनिक स्थान हैं, और उनका उपयोग इस तरह होना चाहिए कि सभी को समान रूप से सुविधा मिल सके।

समाधान केवल सख्त प्रतिबंधों में नहीं छिपा है, बल्कि हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव में भी है। तकनीकी रूप से ऐसे साउंड सिस्टम उपलब्ध हैं, जिनमें ध्वनि की सीमा को नियंत्रित किया जा सकता है। आयोजकों को ऐसे उपकरणों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अनुमति प्रणाली को अधिक सख्त और पारदर्शी बनाना आवश्यक है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी आयोजन निर्धारित नियमों के भीतर ही हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए, ताकि वे यह समझ सकें कि अत्यधिक शोर केवल दूसरों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके अपने स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक है।

सांस्कृतिक स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि उत्सव का अर्थ केवल शोर और दिखावा नहीं होता। सच्ची खुशी वह होती है, जिसमें सभी लोग सहज और संतुलित रूप से शामिल हो सकें। "जितना तेज, उतना बेहतर" की मानसिकता को बदलना होगा। बच्चों और युवाओं के लिए भी यह एक सीखने का विषय है। वे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि वे यह देखेंगे कि नियमों का पालन करना और दूसरों की सुविधा का ध्यान रखना सामान्य बात है, तो वे भी उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे।

अंततः यह समस्या केवल प्रशासन या कानून की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की है। मोबाइल डीजे और अत्यधिक शोर का मुद्दा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने अधिकारों का उपयोग किस तरह कर रहे हैं और क्या हम दूसरों के अधिकारों का सम्मान कर रहे हैं। एक सभ्य समाज की पहचान केवल उसके उत्सवों से नहीं, बल्कि उन उत्सवों को मनाने के तरीके से होती है। यदि हम सच में एक शांत, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपने व्यवहार में संयम और जिम्मेदारी को स्थान देना होगा। वरना वह दिन दूर नहीं, जब हमारी ही बनाई हुई शोरगुल की दुनिया हमारे लिए असहनीय बन जाएगी।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

टेंपल आफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर अलाइड ट्रस्ट पंजीकृत
https://tolwa.com/about.html | tolwaindia@gmail.com, tolwadelhi@gmail.com

आज का साइबर सुरक्षा विचार

शिकायत निवारण की प्रक्रिया बदल गई है—जानिए ग्रीवांस रिपोर्टिंग मॉड्यूल (GRM) कैसे काम करता है!

पिंकी कुंडू

ncrp-grievanceredressal.mha.gov.in

यदि आपका बैंक खाता फ्रीज़/होल्ड/लीन मार्क हुआ है या आपकी डिजिटल सेवाएँ बंद हैं, तो आप GRM पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

नीचे नागरिकों और पुलिस अधिकारियों के लिए GRM मॉड्यूल (NCRP पोर्टल) की चरणबद्ध प्रक्रिया दी गई है:

नागरिकों (खाता धारक) के लिए प्रक्रिया:

1. समस्या पहचानें

o क्या आपका बैंक खाता फ्रीज़/होल्ड/लीन मार्क हुआ है या डिजिटल सेवाएँ बंद हैं?

2. बैंक शाखा से संपर्क करें

o संबंधित शाखा में जाकर खाते को अनफ्रीज़/अनहोल्ड/लीन हटाने का अनुरोध करें।

o आवश्यक दस्तावेज (KYC, शिकायत की कॉपी, पहचान पत्र आदि) जमा करें।

3. बैंक शाखा अधिकारी द्वारा शिकायत दर्ज

o शाखा अधिकारी GRM पोर्टल पर आपके खाते का विवरण दर्ज करेगा, KYC व अन्य दस्तावेज अपलोड करेगा और शिकायत सबमिट करेगा।

o एक Grievance ID जनरेट होगी और नोडल अधिकारी को भेजी जाएगी।

4. शिकायत की स्थिति देखें

o शिकायत क्रमशः जाँच अधिकारी (IO) → जिला GRO → राज्य GRO तक जाएगी।

o हर चरण पर आपको अपडेट दिया जाएगा।

5. यदि शिकायत अस्वीकार हो जाती है

o आप 10–15 दिनों के भीतर समीक्षा (Review) का अनुरोध कर सकते हैं।

o मामला जिला GRO और फिर राज्य GRO तक जाएगा।

o यदि समाधान न मिले तो आप न्यायालय का रुख कर सकते हैं।

पुलिस अधिकारियों (जाँच अधिकारी – IO) के लिए प्रक्रिया:

1. GRM पोर्टल में लॉगिन करें

o पुलिस GRO/IO को दिए गए लॉगिन क्रेडेंशियल से पोर्टल पर प्रवेश करें।

2. बैंक द्वारा भेजी गई शिकायत की समीक्षा करें

o खाते का विवरण, दस्तावेज और बैंक की टिप्पणियाँ देखें।

o संबंधित पक्षों (बैंक अधिकारी, शिकायतकर्ता, संदिग्ध खाता धारक) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस (VC) करें।

3. वीसी के बाद IO के विकल्प

o खाते पर लीन जारी रखें।

o खाते को अनफ्रीज़/अनहोल्ड करें।

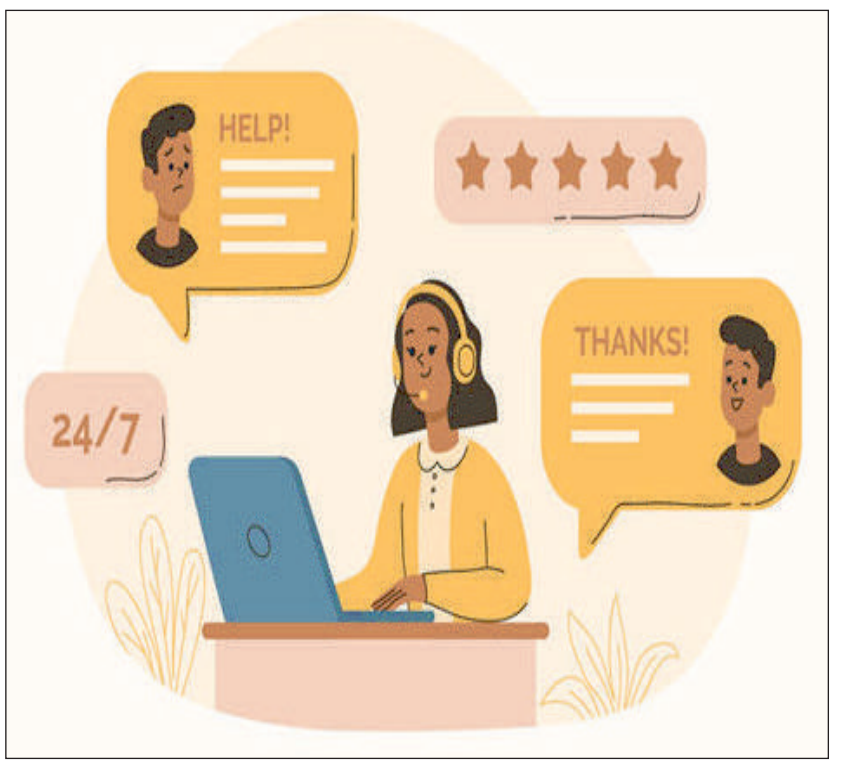

o अनुरोध अस्वीकार करें (कारण दर्ज करना अनिवार्य)।

o अतिरिक्त जानकारी माँगें।

4. GRM पोर्टल पर अपडेट करें

o वीसी की तारीख और प्रतिभागियों का विवरण दर्ज करें।

o निर्णय और टिप्पणियाँ दर्ज करें।

o आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

5. एस्केलेशन प्रक्रिया

o यदि बैंक/नागरिक असंतुष्ट हैं तो शिकायत जिला GRO को 15 दिनों में भेजी जाएगी।

o आगे आवश्यकता होने पर राज्य GRO तक जाएगी।

o अंतिम उपाय न्यायालय है।

प्रमुख समयसीमा:

– बैंक से IO को शिकायत भेजना: 7 दिन के भीतर

– IO द्वारा समीक्षा और कार्रवाई: 15 दिन के भीतर

– जिला GRO समीक्षा: एस्केलेशन के 15 दिन में

– राज्य GRO समीक्षा: आगे के 15 दिन में

– बैंक को अनफ्रीज़/रीस्टोरेशन आदेश 48 घंटे में लागू करना होगा (IO/GRO निर्देश के बाद)

संक्षेप में:

– नागरिक बैंक शाखा से शिकायत शुरू करते हैं।

– बैंक GRM पोर्टल पर शिकायत दर्ज करता है।

– पुलिस IO जाँच कर निर्णय लेता है।

– जिला/राज्य GRO समीक्षा करते हैं।

– न्यायालय अंतिम विकल्प है।

सुरक्षित और जाम फ्री यातायात जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : डीसी

- म्हारी सडक़ ऐप पर अपलोड शिकायतों का त्वरित निस्तारण करें विभाग

परिवहन विशेष न्यूज

– डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक में रोड सेफ्टी से जुड़े विषयों पर की विस्तार से चर्चा

झज्जर, 20 मार्च । डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि सडक़ सुरक्षा को लेकर सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें। सडक़ दुर्घटनाओं को कम करने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय और ठोस प्रयास जरूरी हैं। डीसी शुक्रवार को लघु सचिवालय सभगार में सडक़ सुरक्षा और सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की मासिक बैठक में अधिकारियों को दिशा-निर्देश रहे थे।

डीसी ने कहा कि सडक़ दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में विभाग अपने स्तर पर निर्धारित कार्यों को समय पर पूरा करें। सडक़ दुर्घटना की संभावित लोकेशन की पहचान करें। सडक़ के डिजाइन में कोई गलती है तो उसकी रिपोर्ट तैयार करें। उक्त स्थानों पर भविष्य में सडक़ दुर्घटनाएं घटित ना हों इस दिशा में ठोस कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि सडक़ सुरक्षा के विषयों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सडक़ सुरक्षा के तहत योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए आमजन को जागरूक करने के लिए भी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। डीसी ने रोड सेफ्टी से जुड़े मामलों में विभागों की एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) की समीक्षा की।

सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी का पालन करें संस्थान

डीसी ने कहा कि ऐसे स्कूल वाहन जो सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत नियमों को पूरा नहीं करते उनके खिलाफ एक्शन लिया जाए। सडक़ सुरक्षा से जुड़े विभिन्न एजेंडों पर विस्तार से चर्चा करते हुए डीसी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सडक़ सुरक्षा बेहद गंभीर विषय है और सडक़ दुर्घटनाओं को रोकना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

म्हारी सडक़ ऐप पर अपलोड होने वाली हर शिकायत का सुनिश्चित हो समाधान

डीसी ने कहा कि म्हारी सडक़ ऐप पर अपलोड होने वाली हर शिकायत का प्राथमिक स्तर पर गंभीरता से वेरिफिकेशन किया जाए और तत्पश्चात संबंधित विभागीय अधिकारी की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का अलग-अलग वर्गीकरण कर उनकी प्रकृति के अनुरूप प्राथमिकता तय करें, ताकि निर्धारित समयावधि में प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।

डीसी ने कहा कि म्हारी सडक़ एप के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल सडक़ संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान संभव होगा, बल्कि विकास कार्यों की निगरानी भी अधिक मजबूत होगी।

डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे ब्लाइंड व शार्प मुड़ाव को चिन्हित करें जहां दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। ऐसे स्पॉट पर सडक़ दुर्घटनाएं रोकने के लिए तत्काल और स्थायी समाधान की रिपोर्ट तैयार करें। इसके अलावा सडक़ों पर टहनियों की ट्रिमिंग और ब्लाइंड मोड पर झाडियों की सफाई सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। शहरों के सभी प्रवेश व निकास प्वाइंट पर रोड मार्किंग, सेफ्टी डिवाइस जैसे रोड स्टैंड्स, कैट्स आई लगाए जाएं। जहां सडक़ मार्ग, अंडर पास, फ्लाइओवर आदि के निर्माण के लिए प्रक्रिया चल रही हैं वहां साइन बोर्ड व अन्य जरूरी व्यवस्था की जाएं ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो।

ट्रैफिक नियम तोडऩे वालों का करें चालान : डीसी

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि ट्रैफिक नियम तोडऩे वाले वाहन चालकों के चालान काटे जाएं। ओवर स्पीड, मोबाइल यूज, ड्रंकन एंड ड्राइव, बिना सीट बेल्ट आदि से संबंधित चालान अधिक से अधिक किया जाए ताकि आमजन सडक़ सुरक्षा से संबंधित नियमों का गंभीरता से पालन करें।

इन विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर एसडीएम झज्जर अंकित कुमार चौकसे, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, डीएफसी साहिति रेड्डी, एसडीएम बादली डॉ रमन गुप्ता, सीटीएम नमिता कुमारी, डीडीपीओ निशा तंवर, एक्सईएन लोक निर्माण विभाग सुमित कुमार व एनएचआई, आरटीए विभाग की टीम तथा पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम विंडो, जन-संवाद से जुड़ी शिकायतों का जल्द समाधान करें अधिकारी : डीसी

पोर्टल पर शिकायतों के समाधान की एटीआर अपलोड करना जरूरी

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने अधिकारियों की बैठक में दिए जरूरी निर्देश

झज्जर, 20 मार्च। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि सीएम विंडो,जन-संवाद और एसएमजीटी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयावधि में प्राथमिकता से निपटान करना सुनिश्चित करें। डीसी ने सभी विभागों के नोडल अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इन शिकायतों के समाधान की ऑनलाइन प्लेटफार्म पर एटीआर जरूर अपलोड करें।

डीसी शुक्रवार को सीएम विंडो, जन-संवाद और एसएमजीटी पोर्टल से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दे रहे थे।

डीसी ने सीएम विंडो, जनसंवाद और एसएमजीटी पोर्टल की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसकी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी समय समय पर स्वयं भी समीक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सीएम विंडो, जन संवाद और एसएमजीटी पोर्टल से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लें और इनका समयबद्ध निपटान करना सुनिश्चित करें। हर रोज अपना पोर्टल जरूर चेक करें और निर्धारित समय पर एक्शन टेकन रिपोर्ट अपलोड करें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन सीएम विंडो पोर्टल को एक बार अवश्य खोल कर चेक करें और शिकायत की वास्तविक स्थिति से ऑनलाइन प्लेट फार्म प्रणाली से ही पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। शिकायत मिलते ही उसका प्राथमिकता के साथ समाधान सुनिश्चित करें, शिकायत को ओवरडयू न होने दें।

डीसी ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी सीएम विंडो,जनसंवाद पोर्टल से संबंधित शिकायतों को रिव्यू करें। उन्होंने कहा कि कई शिकायतें ऐसी होती हैं, जिसमें एक से ज्यादा विभागों से संबंधित होती है, इसलिए आपसी तालमेल के साथ उस समस्या का समाधान करें।

इन विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर एसडीएम झज्जर अंकित कुमार चौकसे, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, डीएफसी साहिति रेड्डी, एसडीएम बादली डॉ रमन गुप्ता, सीटीएम नमिता कुमारी, डीआरओ मनबीर सिंह, डीडीपीओ निशा तंवर, डीआईओ अमित बंसल, सभी तहसीलदार, बीडीपीओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रत्येक शिकायत का समाधान गंभीरता से करें विभाग : डीसी

जिला भर में समाधान शिविरों अभी तक कुल शिकायतें 5762 प्राप्त, – केवल 196 पेंडिंग

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने समाधान शिविरों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

झज्जर, 20 मार्च। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा शुक्रवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों तहत जिला प्रशासन को प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की गई। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने झज्जर जिले से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। डीसी ने बताया कि जिला में आयोजित हो रहे समाधान शिविरों में अभी तक कुल 5762 शिकायत प्राप्त हुई हैं इनमें से केवल 196 पेंडिंग हैं। पेंडिंग शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उपायुक्त ने वीसी उपरांत जिलाभर के अधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान शिविरों के संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि समाधान शिविर जनता की समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, इसलिए अधिकारियों को इसकी गंभीरता को समझते हुए हर शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना होगा। इसलिए सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित प्रत्येक शिकायत का समाधान संवेदनशीलता व गंभीरता से करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी नागरिकों की बातों को ध्यान से सुनें। सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग से संबंधित सभी शिकायतों का त्वरित समाधान करें।

इस अवसर पर एसडीएम झज्जर अंकित कुमार चौकसे, एसडीएम बादली डॉ रमन गुप्ता, सीटीएम नमिता कुमारी, एसीपी अनिरुद्ध चौहान, डीआरओ मनबीर, डीडीपीओ निशा तंवर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला में रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता ,अफवाहों से बचें उपभोक्ता : डीसी

प्रत्येक ग्रामीण और शहरी पात्र उपभोक्ता को नियमानुसार उपलब्ध कराई जा रही घरेलू गैस निर्धारित अंतराल में नियमित रूप से गैस

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

झज्जर, 20 मार्च। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। प्रत्येक ग्रामीण और शहरी पात्र उपभोक्ता को नियमानुसार निर्धारित अंतराल में नियमित रूप से गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

अफवाहों से न घबराएं, आवश्यकता अनुसार ही लें सिलेंडर

उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में गैस सिलेंडर का अनावश्यक भंडारण न करें। आवश्यकता अनुसार ही गैस सिलेंडर लें, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और बाजार में कृत्रिम कमी की स्थिति उत्पन्न न हो।

प्रतिदिन आपूर्ति की जानकारी साझा करने के निर्देश

उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को निर्देश दिए कि वह जिले में प्रतिदिन कितने गैस सिलेंडर बुक एवं कितने वितरित किए जा रहे हैं, इसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और जनता को सही जानकारी मिल सके।

आमजन के सहयोग से बनेगी व्यवस्था मजबूत

उपायुक्त ने कहा कि आमजन के सहयोग से ही रसोई गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इसलिए सभी नागरिक जिम्मेदारी निभाते हुए अफवाहों से दूर रहें और प्रशासन का सहयोग करें।

कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई, निगरानी बढ़ाई गई

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक राजेश्वर मुदगिल ने बताया कि यदि किसी भी स्तर पर गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या अनियमितता की शिकायत सामने आती है, तो विभाग द्वारा तत्काल छापेमारी एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अगर आपको कहीं भी गैस सिलेंडर होगी कालाबाजारी करने की सूचना मिलती है तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें साथ ही उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर 01251-252516 पर समस्या दर्ज करा सकते हैं।

पंजाबी को वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य विषय बनाए सरकार : अशोक मैहता

हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा) :

राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के नैशनल प्रेजिडैंट एवं हरियाणा के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त अशोक मैहता ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित त्रिभाषाई शिक्षा प्रणाली में कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि राज्य में 10वीं कक्षा तक हिन्दी एवं अंग्रेजी के अलावा पंजाबी एवं संस्कृत पहले से ही वैकल्पिक विषय हैं। राष्ट्रीय पंजाबी महासभा पिछले लम्बे समय से हरियाणा के स्कूलों में 10वीं कक्षा तक पंजाबी विषय को अनिवार्य करने का मुद्दा उठा रही है और उनकी हरियाणा सरकार से मांग है कि पंजाबी को वैकल्पिक नहीं, बल्कि राज्य विधानसभा में विधेयक लाकर 10वीं कक्षा तक अनिवार्य विषय के तौर पर लागू किया जाए। वीरवार को यहां जारी विज्ञप्ति में अशोक मैहता ने कहा कि वर्ष 2010 तक हरियाणा राज्य में तेलुगु भाषा को दूसरी आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त था, जबकि राज्य का कोई नागरिक तेलुगु बोलने, लिखने अथवा समझने वाला नहीं था। इसके बावजूद राज्य की एक बड़ी आबादी पंजाबी बोलने, लिखने एवं समझने वाली ही है, इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए उनके संगठन ने सरकार से पंजाबी को हरियाणा की दूसरी आधिकारिक भाषा घोषित करने की मांग की, उनकी इस मांग पर संज्ञान लेते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पंजाबी को हरियाणा की दूसरी आधिकारिक भाषा का दर्जा देते हुए अधिसूचना जारी की। इसके बाद राष्ट्रीय पंजाबी महासभा ने राज्य पंजाबी वैल्फेयर बोर्ड के गठन एवं भारत-पाक विभाजन के दौरान शहीद हुए लोगों की पावन स्मृति में शहीद स्मारक की स्थापना समेत अपनी अन्य मांगों के साथ-साथ हरियाणा में 10वीं कक्षा तक पंजाबी को अनिवार्य विषय घोषित करने और पंजाबी अध्यापकों की कमी को पूरा करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया हुआ है। अशोक मैहता ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय पंजाबी महासभा को किसी भी अन्य भाषा से कोई ऐतराज नहीं है और संस्कृत तो वैसे भी हमारी पौराणिक भाषा है, इसलिए उससे तो कोई आपत्ति हो ही नहीं सकती। उनकी मांग तो यह है कि पंजाबी भाषा को इसलिए प्रमुखता दी जाए कि पंजाबी हरियाणा के लगभग एक-तिहाई लोगों की भाषा है और मानवता की रक्षा के लिए अपना महान बलिदान देने वाले हमारे गुरुओं की बाणी भी पंजाबी-गुरुमुखी में ही है। यदि बच्चे 10वीं कक्षा तक अनिवार्य तौर पर पंजाबी पढ़ेंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ियों तक गुरुओं का महान संदेश पहुंचाने में बहुत मदद मिलेगी।

स्त्रियों पर ही पाबंदी क्यों?

हरियाणा हिसार: राजेश सलूजा

माना कि जीवन को सही ढंग से चलाने के लिए कुछ मर्यादाएँ या कुछ पाबंदियाँ होना आवश्यक है, मगर यह पाबंदियाँ ज़्यादातर स्त्रियों पर ही क्यों लगाई जाती हैं? स्त्रियों को ही यह क्यों समझाया जाता है कि घर के नियम-कायदे के अनुसार तुम्हें रहना होगा। पुरुष पर यह पाबंदियाँ क्यों नहीं लगाई जातीं? पुरुष को क्यों यह छूट होती है कि वह अपने मन की सब काम कर सके।

यदि एक स्त्री अपनी पसंद के अनुसार वस्त्र धारण करना चाहती है तो पूरा समाज उसे गलत निगाह से देखता है। यहाँ तक कि जिस पुरुष के साथ रहती है वह तक उसके लिबास पर पाबंदी लगाता है। और लिबास से मेरा मतलब नंगापन दिखाने वाले कपड़ों से बिल्कुल भी नहीं है। मेरा कहने का तात्पर्य है कि यदि कोई स्त्री साड़ी-सूट आदि छोड़कर जींस या स्कर्ट पहनना चाहती है तो भी कहीं न कहीं एक पुरुष वर्ग है जो पाबंदियों से उसे बाँध देता है कि तुम अपनी संस्कृति से हटकर कपड़े क्यों पहनती हो या क्यों फैशन करती हो। बाल क्यों कटवाती हो?

क्या यह हक सिर्फ पुरुष को ही होना चाहिए कि वह जैसे चाहे वस्त्र धारण करे या जिससे चाहे मित्रता कर सके? पराई स्त्री को अच्छी या बुरी निगाह से देख सके? स्त्री क्यों नहीं किसी से मित्रता कर सकती या वह क्यों अपने मन की बात किसी से नहीं कह सकती? यदि उसका कोई पुरुष मित्र है तो उसे ही चरित्रहीन क्यों समझा जाता है? क्योंकि आज भी हमारा समाज पुरुष प्रधान है।

आज भी पुरुष अपने विचारों को कैद कर रखा है, वह आज भी हर दूसरी स्त्री के साथ छिछोरी हरकतें करता है, चाहे फिर वह ऑनलाइन ही क्यों न हो। जिस कारण स्त्री के घर वाले उस पर पाबंदी लगाते हैं। भले ही इसमें स्त्री की कोई गलती न हो, वह खुद को जवाब नहीं देती है तो कहा जाता है कि पुरुष अब स्त्रियों को कंधे से कंधा मिलाकर चलने का अधिकार दे रहा है।

मगर यह कैसा अधिकार है? कि वह सिर्फ अपने घर की महिलाओं को छोड़कर बाकी सब महिलाओं को उल्टे-सीधे मैसेज करते हैं। और उन्हें उनकी औकात दिखाने की विचार मन में रखते हैं। केवल स्त्री को ही क्यों गलत नाम से बुलाया जाता है? उसे ही क्यों कुलटा, वेश्या आदि कहा जाता है? पुरुष को क्यों नहीं?

जबकि वह तो हर दूसरी महिला से संबंध बनाने का विचार मन में रखता है। घर में पत्नी होते हुए भी दूसरी स्त्री पर नज़र रखता है। स्त्रियों के नाम की ही गालियाँ देता है। माँ-बहन से संबंधित गालियाँ होती हैं, मगर फिर भी पुरुषों के झगड़े में गालियाँ उन्हीं को अर्थात माँ, बहनों, बेटियों को सुनाई जाती हैं।

ऐसा क्यों है? क्या गलती है स्त्रियों की? यही कि वह एक स्त्री है जिसे पति रखता है, जितने में रखता है या जितना कमा कर लाता है, उसमें ही वह गुज़ारा करती है।

लेकिन जब वह खुद भी कमाती है, ऑफिस में जाती है या कहीं बाहर निकलती है, तो पुरुषों की गंदी निगाह का शिकार भी वही बनती है। हर कोई उन्हें उनके पहनावे और चाल-ढाल से आंकलन करता है, उनकी ओर गलत दृष्टि डालता है।

यदि कोई स्त्री अपनी खुशी के लिए कोई कार्य करना चाहती है तो उसे क्यों नहीं करने दिया जाता? क्यों उसे एहसास दिलाया जाता है कि तुम एक कमजोर स्त्री हो, शारीरिक रूप से भी और मानसिक रूप से भी।

ज़्यादातर पुरुषों का कहना होता है कि स्त्री की बुद्धि उसके दिमाग में नहीं, उसके घुटनों में होती है। इसलिए वह घर में आने के बाद स्त्री से अपनी हर बात साझा नहीं करता।

मगर क्या यह ज़रूरी है कि पुरुष ही ज़्यादा समझदार हो? स्त्री भी तो समझदार हो सकती है। अगर पुरुष चाहे तो वह स्त्री को समझ सकता है और समझा भी सकता है। उस पर विश्वास रख सकता है।

मगर ज़्यादातर पुरुष अभी तक स्त्रियों पर विश्वास नहीं करते। उन्हें लगता है कि अगर वह घर से निकलेगी तो चरित्रहीन हो जाएगी।

मैं पूछती हूँ कि बाहर मिलने वाले पुरुषों की गंदी निगाह के लिए स्त्री को जिम्मेदार क्यों माना जाता है? उसमें उसकी क्या गलती है?

समाज की इसी सोच के कारण आज भी आधी से ज्यादा स्त्रियाँ घर में ही कैद हैं। हिन्दुस्तान में बस घरेलू बनकर रह गई हैं।

आप उन्हें एक बार भरोसा करके तो देखिए। शायद वह आपसे अधिक समझदारी का प्रमाण दे दें। उन पर से पाबंदियाँ हटाकर उन्हें अपनी मर्जी से दुनिया में लड़ने के लिए छोड़ दें। उनकी सुरक्षा का सामना करना होगा क्योंकि ईश्वर न करे अगर वह कहीं अकेली रह जाए तो वह इस समाज की बुराइयों से लड़ भी नहीं पाएगी।

बहुत से पुरुष अपनी कमाई, अपने काम-धंधे के बारे में घरेलू स्त्रियों को नहीं बताते। जो गलत है। क्योंकि परिवार में रहते हुए भी स्त्री को यह नहीं पता होता कि उसके घर में पैसा कहाँ से आ रहा है, कितनी मेहनत से कमाया जा रहा है या कहाँ जोड़कर रखा गया है।

इसके कई नुकसान हैं। पहले तो यह कि वह स्त्री पैसों की कदर नहीं कर पाती, बेफिजूल खर्च करती है।

दूसरा, ईश्वर न करे अगर पुरुष पर कोई मुसीबत आ जाती है, जैसे दुर्घटना, बीमारी या अकाल मृत्यु, तो वह स्त्री कुछ भी नहीं कर पाती। उसे यह भी नहीं पता होता कि उसके घर के पुरुष ने कहाँ और कैसे पैसा रखा है, कहाँ निवेश किया है।

पुरुष जो यह सोचते हैं कि स्त्री को घर के बारे में सब बात नहीं बतानी चाहिए, वह सरासर गलत करते हैं।

अतः स्त्रियों पर ये पाबंदियाँ हटाकर उन पर अधिक विश्वास करके देखें। क्योंकि ईश्वर ने सबको एक समान बनाया है और जितनी ताकत पुरुष को दी है उससे कहीं अधिक ज्ञान, सहनशीलता और ताकत स्त्री को दी है।

25 मार्च को बहादुरगढ़ में सामाजिक सुरक्षा पेंशन समस्याओं के समाधान हेतु विशेष कैंप

बहादुरगढ़, 20 मार्च। एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच ने बताया कि उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल के दिशानिर्देशानुसार सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़े मामलों के स्थायी समाधान के लिए 25 मार्च को बहादुरगढ़ स्थित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) कार्यालय परिसर में एक विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप का उद्देश्य पेंशनधारकों को आ रही समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है।

उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हरियाणा द्वारा प्रदेश में सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन का वितरण बैंकों एवं डाकघरों के माध्यम से किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा कुछ बैंकों संस्थानों जिसमें युनाईटिड बैंक, ओरिएंटल बैंक, देना बैंक, विजया बैंक, कॉर्पोरेशन बैंक, आंध्रा बैंक, इलाहाबाद बैंक, सिंडिकेट बैंक को अन्य बैंकों में समायोजित कर दिये गये हैं। जिससे संबंधित लाभार्थियों के बैंक खाता संख्या और आईएफएससी कोड में बदलाव हुआ है। ऐसे में कुछ पेंशनधारकों को अपनी पेंशन प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए बुधवार, 25 मार्च को प्रातः: 10 बजे से बहादुरगढ़ के बीडीपीओ कार्यालय में विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा। इस दौरान संबंधित अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर पेंशनधारकों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

एसडीएम ने आमजन से अपील की है कि वे सामाजिक सुरक्षा पेंशन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए इस कैंप में अवश्य पहुंचे और अपनी शिकायतों का समाधान करवाएं। इसके अतिरिक्त, किसी भी कार्य दिवस में अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या 01251-257085 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

सेवाश्रम अस्पताल के नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने किया उद्घाटन

जनसेवा के भाव से कार्य करने वाले संस्थान समाज कल्याण के संवाहक : महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। रामकृष्ण मिशन मानवीय संवेदना की उस परंपरा को जी रहा है, जो नर-सेवा नारायण सेवा के विचार के साथ युगपुरुष स्वामी विवेकानंद द्वारा प्रसारित की गई। ऐसे संस्थान स्वस्थ राष्ट्र के प्रयासों को सशक्त बनाने में सहयोगी और सहभागी हैं। यह विचार शुक्रवार को रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम अस्पताल में कैंसर रोगियों को समर्पित आधुनिकतम चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन करने के दौरान देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने व्यक्त किये।

महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और लगभग 12 बजे सेवाश्रम के नवनिर्मित ऑन्कोलॉजी ब्लॉक में पहुंचीं। जहां सेवाश्रम के संतों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। इसके बाद उन्होंने नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक की शिलापट्टिका का अनावरण वैदिक मत्रोच्चार के मध्य किया। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, प्रदेष के गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी और बेसिक शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह भी रहे। सभी गणमान्यों ने ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का भ्रमण कर वहां की सुविधाओं को निकट से देखा। इसके बाद स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में अपने अभिभाषण के दौरान महामहिम श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि वृन्दावन धाम दिव्यता और भक्ति की जीवंत भूमि है, जहां से भक्ति का शाश्वत संदेश पूरी दुनिया में प्रसारित होता है। उन्होंने भरोसा जताया कि भविष्य में इस आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ऑन्कोलॉजी ब्लॉक में रोगियों को सही और सुरक्षित उपचार मिलेगा। उन्होंने मिशन के अनवरत सेवा कार्य के लिए अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि आज केवल इस ब्लाक का उद्घाटन ही नहीं हुआ बल्कि कैंसर रोगियों के उपचार के लिए आशा का एक नया द्वार खुल गया है, जो निकटवर्ती क्षेत्रों के रोगियों को लाभान्वित करेगा।

उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज मानवीय सेवा के इस अध्याय के साक्षी बनकर हम गौरवान्वित हैं। यह रामकृष्ण मिशन के सेवा, करुणा और समर्पण की ज्योति है, जो 118 वर्षों से निरंतर प्रज्जवलित हैं।यह ज्योति पीड़ति, निर्धन और उपेक्षित मानवता के लिए आशा की किरण है। उन्होंने कहा कि आज स्वास्थ्य सुविधओं का विकास नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहा है क्योंकि बड़ी इमारतें और चमकती सड़के ही विकास का मानक नहीं होतीं बल्कि नागरिकों का स्वास्थ्य, उनके चेहरों की मुस्कान और सुरक्षा से विकास के मानक तय होते हैं।

प्रदेश के केबिनेट मंत्री लक्ष्मीनाराण चौधरी ने कहा कि उन्होंने बचपन से इस अस्पताल के सेवा कार्यों को निकट से देखा है, जो नर-सेवा ही नारायण सेवा के वास्तविक भाव का सटीक चित्रण करता है। कोरोना महामारी के दौरान इस अस्पताल ने ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति का उत्तर प्रदेश सरकार और समस्त ब्रजवासियों की ओर से ब्रजभूमि में अभिनंदन करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति हम सभी को गौरवान्वित कर रही है। रामकृष्ण मिशन बेलूर मठ के उपाध्यक्ष स्वामी विमलात्मानंद महाराज ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि यह ब्लॉक और यहां कार्य करने वाले सभी लोग स्वयं स्वामी रामकृष्ण परमहंस की कृपा से अभिसिंचित हैं। उन्होंने अस्पताल की सेवा भावना को साधना की परंपरा बताते हुए कहा कि 118 वर्ष पूर्व निर्मित यह अस्पताल आज उन चुनिंदा अस्पतालों में है जो वर्तमान में श्री राधारानी और स्वामी रामकृष्ण देव की कृपा से आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित सेवा का वटवृक्ष है।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ ठा. बांकेबिहारी महाराज और स्वामी रामकृष्ण देव के चित्रपट के समक्ष महामहिम तथा अन्य गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ। स्वामी विमलात्मानंद महाराज द्वारा महामहिम राष्ट्रपति, महामहिम राज्यपाल, प्रदेश के केबिनेट मंत्री और बेसिक शिक्षा मंत्री को स्मृति स्वरुप युगपुरुष स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा भेंट की। रामकृष्ण मिषन सेवाश्रम अस्पताल के सचिव स्वामी सुप्रकाषानंद महाराज ने सेवाश्रम अस्पताल की सेवा परंपरा और रोगी नारायण को दी जा रही सुविधाओं पर प्रकाश डाला। अस्पताल के सह सचिव स्वामी कालीकृष्णानंद महाराज ने इस सेवा प्रकल्प में योगदान देने वाले एचडीएफसी बैंक असेट मेनेजमेंट कंपनी लि0 तथा सभी सहयोगियों और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर स्वामी सर्वलोकानंद महाराज, एचडीएफसी बैंक एएमसी के एमडी नवनीत मनोट, स्वामी आत्मश्रद्धानंद महाराज, स्वामी ओजोमयानंद, स्वामी रुद्रनाथानंद, स्वामी देवतानंद, डॉ. थानसिंह तोमर, डॉ. प्रशान्त पाठक, डॉ. गणेष शार्मा, डॉ. प्रणव देवा, डॉ सर्वेष गुप्ता, नगर निगम के उपसभापति मुकेष सारस्वत, डॉ. विनोद बनर्जी, अनूप शर्मा, संदीप अरोड़ा, विनीत शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, विष्णुदान शर्मा आदि मौजूद रहे।

"माँ: त्याग, प्रेम और संस्कार की जीवित प्रतिमा हैं"

मानव जीवन में "माँ" का स्थान सबसे ऊँचा माना गया है। संसार के लगभग सभी धर्मों और धार्मिक ग्रंथों में माँ को भगवान के समान सम्मान दिया गया है। माँ केवल जन्म देने वाली ही नहीं होती, बल्कि वह प्रेम, त्याग, करुणा और संरक्षण की जीवित प्रतिमा होती है। इसलिए भारतीय संस्कृति में कहा गया है— "मातृ देवो भव", अर्थात माँ को देवता के समान मानो।

हिंदू धार्मिक ग्रंथों में माँ का स्थान अत्यंत महान बताया गया है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में माता को जीवन की प्रथम गुरु कहा गया है। मनुस्मृति में कहा गया है कि माता-पिता और गुरु का सम्मान करना मनुष्य का सर्वोच्च कर्तव्य है। वहीं रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों में भी माता के त्याग और स्नेह को सर्वोच्च बताया गया है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन में भी उनकी माताओं का महत्वपूर्ण योगदान बताया गया है।

केवल हिंदू धर्म ही नहीं, बल्कि अन्य धर्मों में भी माँ को अत्यधिक सम्मान दिया गया है। क़ुरआन में कहा गया है कि माँ ने अपने बच्चे को कष्ट सहकर जन्म दिया और उसका पालन-पोषण किया, इसलिए उसका सम्मान करना हर संतान का कर्तव्य है। इसी प्रकार बाइबल में भी माता-पिता के सम्मान को ईश्वर की आज्ञा माना गया है।

धार्मिक दृष्टि से माँ केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि सृजन की शक्ति है। वह परिवार की आधारशिला होती है। बच्चे के संस्कार, चरित्र और भविष्य का निर्माण सबसे पहले माँ के हाथों में होता है। माँ की गोद बच्चे की पहली पाठशाला होती है, जहाँ वह प्रेम, भाषा, संस्कार और जीवन के मूल्यों को सीखता है।

अंततः कहा जा सकता है कि धार्मिक ग्रंथों के अनुसार माँ का स्थान इस संसार में सबसे ऊँचा है। माँ के बिना जीवन की कल्पना भी अधूरी है। वह प्रेम की वह धारा है जो बिना किसी स्वार्थ के निरंतर बहती रहती है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है कि वह अपनी माँ का सम्मान करे, उनकी सेवा करे और उनके त्याग को सदैव याद रखे। यही सच्चे धर्म और मानवता का मार्ग है।

अदिती कुशवाहा
बैकुंठपुर (कोरिया) छत्तीसगढ़

अंडरपास की मांग को लेकर काम रुकवाने हेतु जनहित याचिका दायर की जाएगी

हरियाणा हिसार :राजेश सलूजा

उकलाना अंडरपास की मांग को लेकर चल रहा धरना शुक्रवार को 64वें दिन में प्रवेश कर गया। धरने को समर्थन देने के लिए टोहाना से बार एसोसिएशन के सदस्य तथा हरियाणा व्यापार मंडल के अध्यक्ष मन्नू सिंगला पहुंचे।

इस दौरान मन्नू सिंगला ने कहा कि सरकार को इस मामले पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति के अनुसार जनता को सुविधाएं देना आवश्यक है और क्षेत्र के लोगों का रोजगार सुरक्षित रहना चाहिए। इसी उद्देश्य से कानूनी राय लेकर वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्य को रुकवाने के लिए जनहित याचिका (PIL) दायर की जाएगी। उनका कहना था कि सबसे पहले अंडरपास का निर्माण होना जरूरी है और इस मुद्दे को लेकर कानूनी स्तर पर कार्रवाई की जाएगी।

टोहाना बार एसोसिएशन के सचिव सुशील कुमार ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी अधिवक्ता अंकित भालोठिया के माध्यम से मिली है। उन्होंने कहा कि किसी भी दुकानदार का रोजगार प्रभावित न हो, इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। साथ ही, जनहित याचिका की लड़ाई निशुल्क लड़ी जाएगी।

इस मौके पर अधिवक्ता नीरज गोयल, प्रवीण दहिया सहित अन्य ने भी अपना समर्थन दिया। वहीं धरना प्रधान कपूर सिंह लोटा ने समर्थन देने पहुंचे प्रतिनिधियों का आभार जताया और सरकार से मांग की कि इस विषय पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं द्वारा की जा रही कानूनी कार्रवाई में वे पूरी तरह साथ खड़े हैं।

धरने में कामरेड हरदीप सिंह, धर्मपाल ब्लॉकिया, मुखराम, बलविंदर सिंह, हरविंदर सिंह, गुरमेल सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मां सीता रसोई ने किया प्रख्यात समाजसेवी श्रीमती वसुधा चतुर्वेदी का सम्मान

समाजसेवा व महिला सशक्ति करण के लिए हुईं ₹सनातन नारी शक्ति सम्मान₹ से अलंकृत

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। परिक्रमा मार्ग/ज्ञान गुदड़ी स्थित श्रीपंच हरिव्यासी महानिर्वाणी निर्मोही अखाड़ा (छत्तीसगढ़ कुंज) में सम्पन्न हुए होली महोत्सव के अवसर पर मां सीता रसोई एवं संकट मोचन सेना (महिला प्रकोष्ठ) पंजाब प्रांत द्वारा प्रमुख समाजसेवी श्रीमती वसुधा चतुर्वेदी को उनके द्वारा महिला सशक्ति करण व समाज सेवा के क्षेत्र में दिए गए अविस्मरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।साथ ही उन्हें ₹सनातन नारी शक्ति सम्मान₹ से अलंकृत किया गया।उन्हें यह सम्मान मां सीता रसोई की संस्थापक व संकट मोचन सेना (महिला प्रकोष्ठ) की अध्यक्ष ₹पंजाब रत्न₹ श्रीमती मनप्रीत कौर (लुधियाना), चित्रकूट स्थित श्रीतुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास महाराज एवं प्रख्यात भजन गायक चित्र-विचित्र महाराज के द्वारा संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं ठाकुरजी का पटुका-प्रसादी-माला आदि भेंट करके दिया गया।

ज्ञात हो कि श्रीमती वसुधा चतुर्वेदी प्रख्यात साहित्यकार, आध्यात्मविद्, वरिष्ठ पत्रकार ₹यूपी रत्न₹ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, एडवोकेट की धर्मपत्नी हैं।

इस अवसर पर श्रीमज्जगद्गुरु विष्णुस्वामी विजयराम देवाचार्य भैयाजी महाराज (वल्लभगढ़ वाले), गोरीलाल कुंज के श्रीमहंत स्वामी किशोर दास देवजू महाराज, पीपाद्वाराचार्य जगद्गुरु बाबा बलरामदास देवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर महंत गोपीकृष्ण दास महाराज, पुराण मनीषी कौशिक जी महाराज, चतुःसंप्रदाय के श्रीमहंत फूलडोल बिहारीदास महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी सच्चिदानंद शास्त्री, प्रख्यात साहित्यकार ₹यूपी रत्न₹ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ब्रज भूमि कल्याण परिषद् के अध्यक्ष पण्डित बिहारीलाल वशिष्ठ, प्रमुख समाजसेवी एस. के. शर्मा, याज्ञिक रत्न आचार्य विष्णुकांत शास्त्री, आचार्य मृदुलकांत शास्त्री, डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, प्रख्यात चित्रकार ₹यूपी रत्न₹ द्वारिका आनंद, भागवताचार्य संजीव कृष्ण ठाकुरजी, आचार्य पीठाधीश्वर स्वामी यदुनंदनाचार्य महाराज, सनातन पथ के संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर गौरव शर्मा, प्रख्यात सनातन सेवी अंशुल पाराशर, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, पार्षद सुमित गौतम आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बिलासपुर में जीजा माता मराठा महिला मंडल ने मनाया गुड़ी पड़वा उत्सव

आई तुलजा भवानी मंदिर में धार्मिक विधि-विधान के साथ नववर्ष का स्वागत, महिलाओं ने हल्दी-कुमकुम कर दी शुभकामनाएं

सुनील चिंचोलकर

बिलासपुर, छत्तीसगढ़। जीजा माता मराठा महिला मंडल द्वारा आई तुलजा भवानी मंदिर के प्रांगण में गुड़ी पड़वा का पर्व हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां भवानी के आशीर्वाद के साथ हुई, जिसके बाद मंदिर प्रांगण को रंगोली एवं फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया।

इस अवसर पर विधिवत गौरी-गणेश की स्थापना की गई तथा उसके पश्चात गुड़ी स्थापित कर नववर्ष का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक रूप से बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त किया। बड़ों ने भी सभी को आशीर्वाद देकर सुख-समृद्धि की कामना की।

इस सांस्कृतिक आयोजन में भारती कदम, वसुधा कदम, राखी जाधव, रोशनी महाडिक, मनीषा भोंसले, प्रीति कदम, किरण मूले, रिचा ठाकरे एवं श्वेता घाटगे सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि सामाजिक एकता एवं पारंपरिक मूल्यों को भी मजबूती प्रदान की।

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस (International Day of Happiness) के शुभ अवसर पर

मैं इस स्वास्थ्य-सचेत समूह के सभी सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

ईश्वर करे कि आपका जीवन आनंद, शांति, सकारात्मकता और स्थायी प्रसन्नता से परिपूर्ण रहे।

खुशी और स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

प्रसन्न और सकारात्मक मन:स्थिति का हमारे मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर अत्यंत प्रभावशाली प्रभाव पड़ता है। आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान भी आज उस सत्य की पुष्टि कर रहे हैं जिसे प्राचीन ज्ञान परंपराएँ बहुत पहले से बताती रही हैं—कि प्रसन्न मन स्वस्थ शरीर का आधार होता है।

जब व्यक्ति वास्तविक खुशी का अनुभव करता है, तब शरीर में एंडॉर्फिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे लाभकारी रासायनिक तत्व (जिन्हें सामान्यत: "फील-गुड हार्मोन" कहा जाता है) स्रावित होते हैं। ये रसायन तनाव को कम करने, मनोदशा को संतुलित रखने, रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने तथा शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति बढ़ाने में सहायक होते हैं।

फलस्वरूप, सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों में प्राय: अच्छी नींद, मजबूत प्रतिरक्षा-तंत्र, संतुलित रक्तचाप तथा बेहतर हृदय-स्वास्थ्य देखा जाता है।

खुशी हमारे जीवन-शैली के चुनावों को भी प्रभावित करती है।

अध्ययनों से यह ज्ञात हुआ है कि जिन लोगों में मानसिक संतोष और प्रसन्नता अधिक होती है, वे सामान्यत: पौष्टिक आहार लेते हैं, नियमित व्यायाम करते हैं और स्वस्थ जीवन-शैली अपनाते हैं, जिससे दीर्घकालीन स्वास्थ्य और भी बेहतर बनता है।

अनेक परिस्थितियों में भावनात्मक सकारात्मकता रोगों से उबरने में सहायक भूमिका निभाती है।

यद्यपि केवल खुशी चिकित्सा उपचार का विकल्प नहीं हो सकती, फिर भी यह मानसिक दृढ़ता बढ़ाने, तनाव-जनित विकारों को कम करने और चिंता तथा अवसाद जैसी मानसिक चुनौतियों से बेहतर ढंग से सामना करने में मदद करती है।

साथ ही, सकारात्मक सामाजिक संबंध और सहयोगी रिश्ते भी लंबे और स्वस्थ जीवन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

खुशी पर नवीनतम वैज्ञानिक अनुसंधान हाल के वैज्ञानिक अध्ययनों से यह पता चला है कि छोटे-छोटे दैनिक अभ्यास, जैसे—कृतज्ञता व्यक्त करना, दयालुता के कार्य करना, ध्यान (माइंडफुलनेस) करना और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाना—मानसिक संतुलन और नींद की गुणवत्ता को उल्लेखनीय रूप से सुधार सकते हैं। हजारों लोगों पर किए गए बड़े शोधों से यह भी सिद्ध हुआ है कि प्रतिदिन किए जाने वाले छोटे-छोटे "आनंद के कार्य" (Micro-acts of Joy) व्यक्ति की खुशी की अनुभूति और भावनात्मक संतुलन को काफी बढ़ा सकते हैं।

ये निष्कर्ष हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं कि खुशी केवल परिस्थितियों का परिणाम नहीं है, बल्कि इसे सकारात्मक आदतों और जागरूक जीवन-शैली के माध्यम से विकसित भी किया जा सकता है।

स्वस्थ जीवन के लिए एक संदेश

इसलिए, इस महत्वपूर्ण दिवस के अवसर पर हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि सच्चा स्वास्थ्य केवल रोगों की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि उसमें मानसिक संतुलन, आंतरिक शांति और प्रसन्नता भी शामिल है। जब हम कृतज्ञता, करुणा, स्वस्थ संबंधों और सकारात्मक सोच को अपने जीवन का हिस्सा बनाते हैं, तब हम न केवल अपने जीवन को समृद्ध बनाते हैं, बल्कि अपने आसपास के लोगों में भी खुशी और सकारात्मकता का प्रसार करते हैं।

ईश्वर से प्रार्थना है कि इस समूह का प्रत्येक सदस्य उत्तम स्वास्थ्य, आंतरिक शांति और अपार खुशियों का आनंद प्राप्त करता रहे।

डिजिटल युग में किताबों, अखबारों और मैगजीन की ओर लौटता भारतः एक सुखद वापसी

विजय गर्ग

एक एहसास, एक यादः कागज को पलटने का अनुभव, स्याही की महक और किताब को अपनी लाइब्रेरी में सजाने की खुशी—ये अनुभव किसी भी डिजिटल स्क्रीन पर नहीं मिल सकते। अखबारों की प्रासंगिकता और साख सोशल मीडिया पर फैली 'फेक न्यूज' के दौर में, अखबारों की विश्वसनीयता और भी अधिक बढ़ गई है।

आज के दौर में जब हर हाथ में स्मार्टफोन है और सूचनाओं की बौछार पलक झपकते ही हो जाती है, एक दिलचस्प बदलाव देखने को मिल रहा है। स्क्रीन की चकाचौंध के बीच, लोग फिर से पन्नों की खुशबू और छपे हुए अक्षरों की दुनिया की ओर लौट रहे हैं। डिजिटल क्रांति के चरम पर होने के बावजूद, भारत में किताबों, अखबारों और पत्रिकाओं (मैगजीन) का पुनरुत्थान वास्तव में एक सुखद अहसास है।

क्यों लौट रहे हैं लोग पुरानी दुनिया की ओर?

यह बदलाव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे कुछ गहरे मनोवैज्ञानिक और व्यावहारिक कारण हैंः

डिजिटल थकान : दिन भर स्क्रीन देखने के बाद आँखों और दिमाग को थकान महसूस होती है। छपी हुई किताब या अखबार के साथ बिताया गया समय एक तरह का 'डिजिटल डिटॉक्स' है, जो मानसिक शांति देता है।

गहन अध्ययन : डिजिटल माध्यमों पर हम अक्सर जानकारी को 'स्कैन' करते हैं या जल्दी में पढ़ते हैं। वहीं, किताबों के साथ हमारा जुड़ाव अधिक गहरा होता है, जिससे एकाग्रता और समझने की क्षमता बढ़ती है।

एक एहसास, एक यादः कागज को पलटने का अनुभव, स्याही की महक और किताब को अपनी लाइब्रेरी में सजाने की खुशी—ये अनुभव किसी भी डिजिटल स्क्रीन पर नहीं मिल सकते।

अखबारों की प्रासंगिकता और साख

सोशल मीडिया पर फैली 'फेक न्यूज' के दौर में, अखबारों की विश्वसनीयता और भी अधिक बढ़ गई है। आज का पाठक जागरूक है; वह जानता है कि अखबार में छपी खबर एक लंबी संपादकीय प्रक्रिया से गुजरती है। सुबह चाय के साथ अखबार पढ़ना, केवल खबरों को जानना ही नहीं, बल्कि दिन की शुरुआत करने का एक संस्कार बन चुका है।

पत्रिकाओं (मैगजीन) का नया स्वरूप

मैगजीन का बाजार भी बदल रहा है। अब ये सिर्फ सामान्य जानकारी तक सीमित नहीं हैं। विशेष विषयों (नीश-निश) पर आधारित पत्रिकाएं—चाहे वह कला हो, संस्कृति, यात्रा या व्यवसाय—अपने पाठकों के साथ एक विशेष जुड़ाव बना रही हैं। इनका प्रीमियम पेपर और शानदार ग्राफिक्स इन्हें एक 'कलेक्टिबल' (संग्रहणीय वस्तु) बना देते हैं, जिसे लोग सालों तक संभाल कर रखना चाहते हैं।

किताबों की दुनियाः फिर से गुलजार

किताबों की बिक्री के आंकड़े बताते हैं कि लोग फिर से हार्ड-कॉपी पढ़ना पसंद कर रहे हैं।

इंडिपेंडेंट बुकस्टोर्सः बड़े ऑनलाइन स्टोर्स के बावजूद, छोटे और स्वतंत्र बुकस्टोर्स का चलन बढ़ा है, जो केवल दुकानें नहीं, बल्कि 'सांस्कृतिक केंद्र' बन गए हैं।

बुक क्लब्सः शहरों में बुक क्लब्स और लिटरेचर फेस्टिवल्स की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि लोग किताबों पर चर्चा करना और समुदाय के रूप में पढ़ना पसंद कर रहे हैं।

यह वापसी यह नहीं दर्शाती कि डिजिटल युग खत्म हो रहा है, बल्कि यह बताती है कि डिजिटल और प्रिंट एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं। हम अपनी सुविधा के लिए डिजिटल का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन अपनी शांति और बौद्धिक गहराई के लिए फिर से कागज़ की दुनिया की ओर मुड़ रहे हैं। यह संतुलन ही आज के समय की सबसे बड़ी जीत है।

तो, अगली बार जब आपके हाथ में स्मार्टफोन हो, तो शायद उसके बगल में कोई किताब या अखबार भी रखें। यह छोटा सा बदलाव आपकी जीवनशैली में एक बड़ा और सकारात्मक अंतर ला सकता है। हाल के वर्षों में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है—भारत में लोग फिर से प्रिंट माध्यम की ओर लौट रहे हैं। यह वापसी न केवल सुखद है, बल्कि समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

डिजिटल माध्यम ने जहाँ सूचना को सुलभ बनाया, वहीं उसने ध्यान की स्थिरता को प्रभावित किया। छोटे-छोटे वीडियो, त्वरित समाचार और सतही जानकारी ने गहराई से पढ़ने की आदत को कमजोर किया। परिणामस्वरूप, लोगों ने महसूस किया कि डिजिटल सामग्री अक्सर अधूरी, भ्रामक या मानसिक

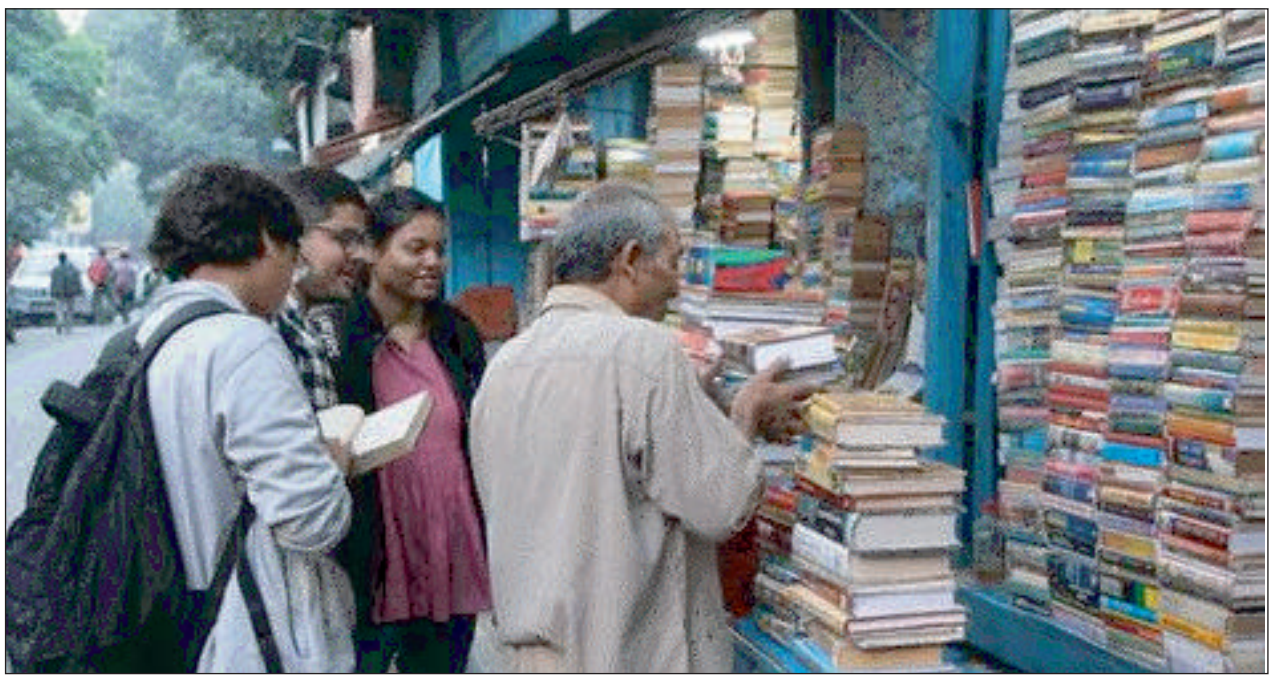

रूप से थकाने वाली होती है। इसके विपरीत, किताबें और प्रिंट मीडिया एकाग्रता, गहराई और विश्वसनीयता प्रदान करते हैं।

किताबों की ओर लौटना केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत है। युवा पीढ़ी, जो पहले पूरी तरह डिजिटल माध्यम पर निर्भर थी, अब साहित्य, उपन्यास, आत्मकथाओं और ज्ञानवर्धक पुस्तकों की ओर आकर्षित हो रही है। पुस्तक मेलों में बढ़ती भीड़, पुस्तकालयों में फिर से रौनक और ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन किताबों की बिक्री में वृद्धि इस बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं।

अखबार और मैगजीन भी इस बदलाव का हिस्सा हैं। जहाँ डिजिटल न्यूज़ की गति तेज़ है, वहीं प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण आज भी अद्वितीय है। गहराई से की गई रिपोर्टिंग, संपादकीय लेख और विषयों का संतुलित प्रस्तुतीकरण पाठकों को सोचने और समझने का अवसर देता है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अक्सर नहीं मिल पाता।

इसके अलावा, प्रिंट पढ़ने का अनुभव भी अपने आप में विशेष होता है। कागज की खुशबू, पन्ने पलटने की अनुभूति और बिना किसी स्क्रीन के पढ़ने का सुकून मानसिक शांति प्रदान करता है। यह अनुभव डिजिटल स्क्रीन की चमक और नोटिफिकेशन के शोर से बिल्कुल अलग है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी यह वापसी महत्वपूर्ण है। शोध बताते हैं कि प्रिंट में पढ़ने से समझ और स्मरण शक्ति बेहतर होती है। इसलिए स्कूलों और कॉलेजों में भी छात्रों को किताबों के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

हालांकि यह कहना सही नहीं होगा कि डिजिटल माध्यम का महत्व कम हो गया है। वास्तव में, आज का युग संतुलन का है—जहाँ डिजिटल और प्रिंट दोनों का अपना स्थान है। लेकिन यह संतुलन तभी संभव है जब हम पढ़ने की गहराई और गुणवत्ता को प्राथमिकता दें।

अंततः, किताबों, अखबारों और मैगजीन की ओर लौटता भारत एक सकारात्मक संकेत है—यह दर्शाता है कि तकनीक के बीच भी इंसान ज्ञान, विचार और संवेदनशीलता की गहराई को महत्व देता है। यह वापसी केवल माध्यम की नहीं, बल्कि सोच और संस्कृति की वापसी है, जो एक समृद्ध और जागरूक समाज की नींव रखती है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट

वैज्ञानिकों ने सूर्य के प्रकाश को ईंधन में बदलने का एक शक्तिशाली नया तरीका निकाला

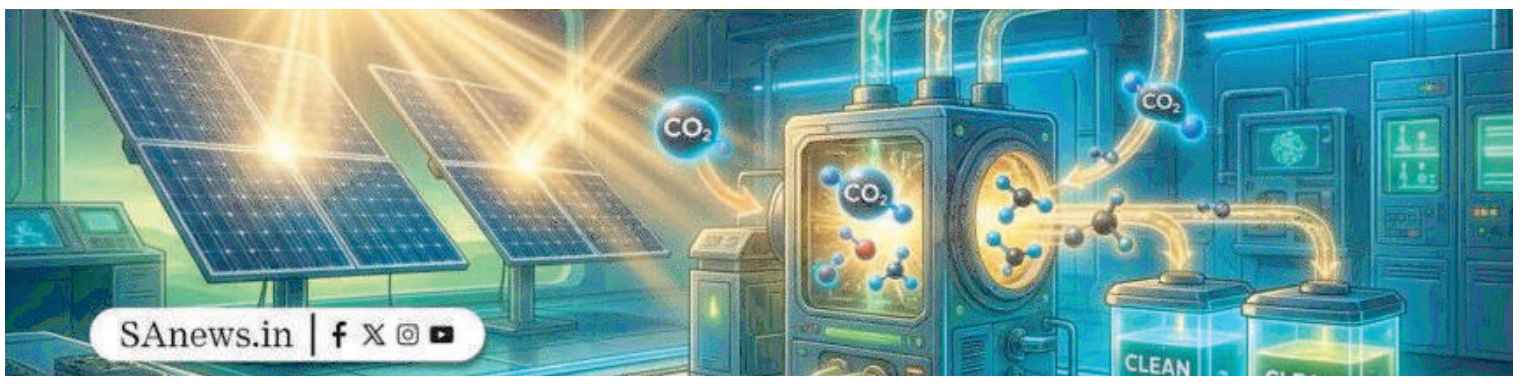

डॉ विजय गर्ग

"तरल सूर्य के प्रकाश" का सपना, सौर ऊर्जा को सीधे भंडारण योग्य, परिवहन योग्य ईंधन में परिवर्तित करना, एक बड़ी छलांग लगा है। मार्च 2026 तक, शोधकर्ताओं ने दो अलग-अलग लेकिन पूरक सफलताएं हासिल कर ली हैं जो कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण में ₹दक्षता अंतर₹ को संबोधित करती हैं। पहले में बेहतर फोटोकैटेलिस्ट की पहचान के लिए एक शक्तिशाली नया कम्प्यूटेशनल फ्रेमवर्क शामिल है, जबकि दूसरे में एक ₹आणविक स्पंज₹ पेश किया गया है जो प्राकृतिक सूर्य प्रकाश की स्थिति में कई चार्ज रखने में सक्षम है। उत्प्रेरक सफलता : पॉलीहेप्टाज़िन इमिड्स (पीएचआई) सौर ईंधन उत्पादन में सबसे महत्वपूर्ण बाधाओं में से एक ऐसी सामग्री ढूंढना है जो दृश्य प्रकाश को अवशोषित कर सके और बिना क्षय किए रासायनिक प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सके।

एक उल्लेखनीय वैज्ञानिक सफलता में, शोधकर्ताओं ने सूर्य के प्रकाश को उपयोगी ईंधन में परिवर्तित करने के लिए एक शक्तिशाली नई विधि का पता लगाया है। यह मानवता को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा भविष्य की ओर एक कदम आगे बढ़ा रहा है। यह प्रगति वैश्विक ऊर्जा चुनौतियों से निपटने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इस खोज के केंद्र में फोटोकैटालिसिस नामक एक प्रक्रिया है, जो रासायनिक प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर करने के लिए सूर्य की रोशनी का उपयोग करती है। वैज्ञानिक वर्षों से इस पद्धति का पता लगा रहे हैं, लेकिन हाल के शोध ने इसे अधिक कुशल और व्यावहारिक बनाने के बारे में हमारी समझ को काफी बेहतर बना दिया है।

यह नई सफलता कार्बन नाइट्राइड यौगिक, विशेष रूप से पॉलीहेप्टाज़िन इमिड्स नामक सामग्रियों के एक विशेष वर्ग पर केंद्रित है। इन सामग्रियों में दृश्यमान सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करने और इसे रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित करने की अनूठी क्षमता होती है। इस ऊर्जा का उपयोग हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन के उत्पादन में किया जा सकता है, या यहां तक कि हानिकारक कार्बन डाइऑक्साइड को उपयोगी पदार्थों में परिवर्तित करने के लिए भी किया जा सकेगा।

इस खोज को वास्तव में शक्तिशाली बनाने वाली बात एक नई कम्प्यूटेशनल विधि की शुरूआत है, जो वैज्ञानिकों को यह बेहतर ढंग से भविष्यवाणी करने की अनुमति देती है कि इन सामग्रियों में परिवर्तन उनके प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करते हैं। इससे पहले, शोधकर्ताओं को इन यौगिकों की जटिल संरचना और व्यवहार को समझने में कठिनाई होती थी। अब, उन्नत मॉडलिंग तकनीकों के साथ, वैज्ञानिक अधिक कुशल सामग्रियों को तेजी से और अधिक सटीकता के साथ डिजाइन कर सकते हैं।

यह सफलता रोमांचक संभावनाएं खोलती है। उदाहरण के लिए, सूर्य की रोशनी का उपयोग सीधे हाइड्रोजन ईंधन बनाने में किया जा सकता है। यह एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है जो जलने पर केवल पानी उत्सर्जित करता है। यह कार्बन डाइऑक्साइड को मूल्यवान रसायनों में परिवर्तित करके, जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करके कार्बन उत्सर्जन को कम करने की आशा भी प्रदान करता है।

इसके अलावा, यह नवाचार नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के वैश्विक प्रयासों के अनुरूप है। चूंकि विश्व को बढ़ती ऊर्जा मांगों और पर्यावरणीय चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए ऐसी प्रगति एक हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त करती है।

हालाँकि, चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। इस प्रौद्योगिकी को बड़े पैमाने पर औद्योगिक उपयोग के लिए विकसित करने तथा लागत प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए आगे अनुसंधान और निवेश की आवश्यकता होगी। फिर भी, वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि यह खोज स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की प्रगति में तेजी लाएगी।

"तरल सूर्य के प्रकाश" का सपना, सौर ऊर्जा को सीधे भंडारण योग्य, परिवहन योग्य ईंधन में परिवर्तित करना, एक बड़ी छलांग लगा है। मार्च 2026 तक, शोधकर्ताओं ने दो अलग-अलग लेकिन पूरक सफलताएं हासिल कर ली हैं जो कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण में ₹दक्षता अंतर₹ को संबोधित करती हैं। पहले में बेहतर फोटोकैटेलिस्ट की पहचान के लिए एक शक्तिशाली नया कम्प्यूटेशनल फ्रेमवर्क शामिल है, जबकि दूसरे में एक ₹आणविक स्पंज₹ पेश किया गया है जो प्राकृतिक सूर्य प्रकाश की स्थिति में कई चार्ज रखने में सक्षम है। उत्प्रेरक सफलताः पॉलीहेप्टाज़िन इमिड्स (पीएचआई) सौर ईंधन उत्पादन में सबसे महत्वपूर्ण बाधाओं में से एक ऐसी सामग्री ढूंढना है जो दृश्य प्रकाश को अवशोषित कर सके और बिना क्षय किए रासायनिक प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सके। सेंटर फॉर एडवांस्ड सिस्टम्स अंडरस्टैंडिंग (सीएएसयूएस) के वैज्ञानिकों ने हाल ही में पॉलीहेप्टाज़िन इमिड्स (पीएचआई) नामक सामग्री वर्ग को अनुकूलित करने के लिए एक अभूतपूर्व कम्प्यूटेशनल विधि पेश की है। पीएचआई क्यों मायने रखता हैः दृश्य प्रकाश अवशोषणः कई पारंपरिक उत्प्रेरकों के विपरीत, जो केवल यूवी प्रकाश पर प्रतिक्रिया करते हैं, पीएचआई को दृश्य स्पेक्ट्रम के साथ ₹ट्यून₹ किया जाता है, जहां सूर्य की अधिकांश ऊर्जा रहती है। स्तरित ₹ग्राफेन-जैसी₹ संरचनाः ये कार्बन नाइट्राइड सामग्री नाइट्रोजन युक्त आणविक छल्लों से बनी होती हैं जो इलेक्ट्रॉनों की गति को सुविधाजनक बनाती हैं। लागत और सुरक्षाः वे गैर-विषाक्त, थर्मल रूप से स्थिर हैं, तथा पूर्व प्रयोगों में प्रयुक्त कीमती धातु उत्प्रेरकों (जैसे प्लैटिनम या इरिडियम) की तुलना में काफी सस्ते हैं। प्रकृति की नकल करनाः चार्ज-चार्ज अणु जबकि उत्प्रेरक प्रतिक्रिया को गति देते हैं, ऊर्जा को रासायनिक बंधनों में ₹बोतलबंद₹ किया जाना चाहिए। नेचर केमिस्ट्री में प्रकाशित एक अध्ययन में, बासेल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक विशेष अणु विकसित किया है जो प्रकाश संश्लेषण के दौरान पौधों द्वारा ऊर्जा को संभालने के तरीके की नकल करता है। ₹चरणबद्ध₹ नवाचार प्राकृतिक प्रकाश संश्लेषण में, कोई पौधा केवल एक फोटॉन को पकड़कर ईंधन नहीं बनाता है; यह पानी को विभाजित करने या CO2 को कम करने के लिए कई आवेश जमा करता है। बासेल टीम ने एक अणु बनाया जिसमें पांच जुड़े हुए घटक शामिल थे केंद्रः एक प्रकाश-संवेदनशील इकाई जो फोटॉन को पकड़ती है। स्थानांतरणः प्रकाश की एक चमक के कारण एक पक्ष को इलेक्ट्रॉन (सकारात्मक आवेश) का नुकसान होता है और दूसरे पक्ष को नकारात्मक आवेश प्राप्त होता है। भंडारणः पिछले सिंथेटिक प्रयासों के विपरीत, जो इस आवेश को लगभग तुरंत खो देते थे, यह अणु प्रकाश की दूसरी चमक से प्रभावित होकर एक साथ चार आवेशों को संग्रहीत कर सकता है (दो सकारात्मक, दो नकारात्मक)। प्रभावः यह अणु पिछले प्रयोगशाला परीक्षणों की तुलना में बहुत कम प्रकाश तीव्रता के तहत काम करता है, जिसका अर्थ है कि यह अंततः वास्तविक दुनिया, बाहरी सूर्य की रोशनी के नीचे भी काम कर सकता है

यह अणु पिछले प्रयोगशाला परीक्षणों की तुलना में बहुत कम प्रकाश तीव्रता के तहत काम करता है, जिसका अर्थ है कि यह अंततः उच्च शक्ति वाले औद्योगिक लेजर के बजाय वास्तविक दुनिया, बाहरी सूर्य के प्रकाश के अंतर्गत कार्य कर सकता है। सूर्य के प्रकाश से लेकर ₹सौर ईंधन₹ तक ये प्रगति ₹परिपत्रिक कार्बन अर्थव्यवस्था₹ का मार्ग प्रशस्त कर रही है केवल बिजली उत्पन्न करने के बजाय, जिसका उपयोग तुरंत किया जाना चाहिए या भारी बैटरियों में संग्रहित किया जाना चाहिए, यह प्रौद्योगिकी निम्नलिखित को जन्म देती है हरा हाइड्रोजनः पानी को विभाजित करके (2H_2O \rightarrow 2H_1 + O_2)। सिंथेटिक सिन्गासः वायुमंडलीय CO2 को कार्बन-तटस्थ विमानन ईंधन और गैसोलीन के पूर्ववर्ती में परिवर्तित करना। हाइड्रोजन पेरोक्साइडः एक महत्वपूर्ण औद्योगिक रसायन जो टिकाऊ तरीके से उत्पादित होता है। 2026 के लिए आगे क्या है? अब ध्यान इस बात पर केंद्रित हो गया है कि ₹क्या हम यह कर सकते हैं?₹ से हटकर ₹ क्या हम इसे बढ़ाते हैं? ईपीएफएल (एकोले पॉलिटेक्निक फेडेरेल डी लौसेन) ने हाल ही में इस महीने ट्रिपल-जंक्शन सौर कोशिकाओं के लिए 30.02% दक्षता रिकॉर्ड स्थापित किया है, इन नए भंडारण अणुओं के साथ उच्च दक्षता कैप्चर का एकीकरण सुझाव देता है कि औद्योगिक पैमाने पर सौर ईंधन संयंत्र पहले की तुलना में अधिक करीब हो सकते हैं।

निष्कर्षतः, सूर्य के प्रकाश को ईंधन में परिवर्तित करने का एक शक्तिशाली नया तरीका खोलना सिर्फ एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं है। यह दुनिया की कुछ सबसे गंभीर समस्याओं को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निरंतर नवाचार और समर्थन के साथ, यह तकनीक आने वाले वर्षों में हमारे ऊर्जा उत्पादन और उपयोग के तरीके को बदल सकती है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

धुरंधर' से सिनेमा की धुरंधर जीत

फिल्म धुरंधर का दूसरा भाग दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है और उससे भारतीय सिनेमा में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है। यह केवल एक फिल्म की सफलता नहीं बल्कि पूरे फिल्म उद्योग की सोच और दिशा में परिवर्तन का संकेत है। आज का भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह तकनीकी नवाचार, मजबूत कहानी और वैश्विक स्तर की प्रस्तुति की ओर बढ़ रहा है। 'धुरंधर' के दूसरे भाग की सफलता से साबित होता है कि दर्शक अब सिर्फ पारंपरिक कथानकों से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि वे गहराई, यथार्थ और नवीनता की अपेक्षा रखते हैं। इस फिल्म ने संभवतः अपने कथानक, चरित्र निर्माण और दृश्य प्रभावों के माध्यम से यह साबित करने का बीड़ा उठाया है, भारतीय फिल्में भी विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं।

यह एक ऐसी फिल्म है जो भारत और पाकिस्तान के मौजूदा द्वंद्व को व्यापक भयावता के साथ दर्शाती है। भारत के प्रति पाकिस्तान का जन्म आतंकवाद अब बेनकाब हो चुका है और उसे बहुत बारीकी और गहराई के साथ फिल्म के निर्देशक आदित्य धर ने दिखाया है, एक भारतीय जासूस की कहानी के माध्यम से। फिल्म के संवाद और घटनाओं की राजनीतिक प्रमाणिकता अंतर्निहित हिंसा और अभिनय से लेकर संगीत तक की उत्कृष्ट प्रस्तुति ने फिल्म को एक नया आयाम दिया है। यह आदर्श आने वाले समय के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। हम्ज़ा अली माजरी का पात्र राष्ट्र के प्रतिशोध के लिए जब पड़ोसी देश में पहुंचाया जाता है तो वहां अपराध के लिए कुख्यात कराची का ल्यारी क्षेत्र, घटनाक्रम को हिंसात्मक रुप देने में कोई कसर नहीं छोड़ता। फिल्म में मेजर इकबाल, बाबू डकैत, रहमान डकैत, उजैर बलोच, एसपी असलम और जावेद खनानी जैसे पात्र अपराध और आतंक की एक नई परिभाषा लिखते हैं। ऐसे कुख्यात अपराधियों की सूरतें उन आतंकियों से मिलती है जिन्होंने कंधार विमान अपहरण, संसद हमले और 26 /11 जैसे हमलों को अंजाम दिया। फिल्म में इन पात्रों को जिन कलाकारों ने निभाया है उनका अभिनय वाकई अविस्मरणीय है।

दरअसल, फिल्म धुरंधर में घटनाक्रम काफी तेजी से बढ़ता है और उसका उप-कथ्य प्रभावकारी है। कहानी के विकास को अच्छी तरह समझने के लिए फिल्म को बार-बार देखा जाना आवश्यक है तभी फिल्म को आत्मसात करने में कामयाबी मिल सकती है। धुरंधर के पहले भाग ने भी कई रिकॉर्ड बनाए लेकिन धुरंधर का दूसरा भाग उससे भी कहीं ज्यादा विस्तार के साथ भारतीय फ़िल्म जगत के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने के लिए बेताब लगता है। उरी और धुरंधर जैसी फ़िल्में बनाने के बाद निर्देशक आदित्य धर ने अपने सफल फिल्म का होने को स्थापित कर दिया है। वे एक सामर्थ्यवान व्यक्तित्व के साथ कुशल रचनाकार और मार्गदर्शन साबित हुए हैं। रणवीर सिंह का अभिनय परिपक्वता को दर्शाते हुए दर्शकों के बीच एक उत्साह और आत्मविश्वास भरने में कामयाब नजर आता है। रोमांचित करने वाली धुरंधर द रिवेंज की कहानी भारतीय सिनेमा के भविष्य को उज्जवल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है।

इस फिल्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि ऐसी फिल्मों से नए फिल्मकारों को प्रेरणा मिलती है। वे जोखिम लेने, नए विषयों पर काम करने और तकनीकी रूप से अधिक सशक्त फिल्में बनाने के लिए उत्साहित होगें। इससे सिनेमा में विविधता आएगी और दर्शकों को भी नई-नई कहानियाँ देखने को मिलेगी। इसके अतिरिक्त, धुरंधर जैसे प्रोजेक्ट यह संकेत देते हैं कि अब भारतीय सिनेमा केवल क्षेत्रीय या राष्ट्रीय सीमाओं में बंधा नहीं है, बल्कि उसकी दृष्टि वैश्विक हो चुकी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बढ़ते प्रभाव के कारण फिल्में अब व्यापक स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि धुरंधर का दूसरा भाग सच में एक नई शुरुआत का प्रतीक है, तो यह भारतीय सिनेमा के विकास, प्रयोगधर्मिता और आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। यह बदलाव न केवल फिल्म उद्योग को नई दिशा देगा, बल्कि दर्शकों के अनुभव को भी और समृद्ध बनाएगा।

डॉ. मनीष दवे, महालक्ष्मी नगर, इंदौर

झूलेलाल भगवान की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

गोरखपुर। चेटीचंड के अवसर पर सिंधी समाज द्वारा विकास नगर स्थित श्री झूलेलाल मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान पूरे शहर में श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिला, वहीं "झूलेलाल भगवान की जय" के जयकारों से वातावरण लगातार गुंजायमान रहा।

गौरतलब है कि चेटीचंड सिंधी समाज का प्रमुख पर्व एवं नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन भगवान झूलेलाल के अवतरण का उत्सव मनाया जाता है, जिन्हें सिंधी समाज जल के देवता और अपने आराध्य के रूप में पूजता है। मान्यता है कि उन्होंने समाज की रक्षा करते हुए धर्म और सद्भाव का संदेश दिया। शोभायात्रा को समाज के 17 मुखीसाहेबान एवं उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी के सदस्य नरेश बजाज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शुरुआत से ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बन रहा था।

यात्रा के अग्रभाग में सजे रथ पर भगवान श्री झूलेलाल की आकर्षक झांकी सजाई गई थी, जो की साईं रवि दास की अगुवाई में चल रही थी जिसने लोगों का ध्यान खींचा। इसके पीछे श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य करते हुए और भक्ति गीतों के साथ आगे बढ़ते रहे। मार्ग के कई स्थानों पर लोगों ने रुककर शोभायात्रा का स्वागत भी किया।

इस वर्ष शोभायात्रा में सिंधी समाज की महिलाओं, युवाओं और बच्चों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ गई। पारंपरिक परिधानों में शामिल लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और आकर्षक बना दिया। शोभायात्रा विकास नगर से शुरू होकर गोरखनाथ स्थित श्री झूलेलाल मंदिर पहुंची, जहां पटेल ऐलानी चौथराम ने पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इसके बाद यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए लक्ष्मी सत्संग भवन पहुंची, जहां आरती-पूजन के उपरांत लंगर का आयोजन किया गया।

आणविक, नैदानिक, पर्यावरणीय एवं पारंपरिक आयामों पर विशद विमर्श हुआ

परिवहन विशेष न्यूज

गोरखपुर। स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय की तरफ से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "एएमआर-शील्ड 2026" के दूसरे दिन शुक्रवार को तकनीकी सत्रों की श्रृंखला में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के आणविक, नैदानिक, पर्यावरणीय एवं पारंपरिक आयामों पर विशद विमर्श हुआ। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर स्थित पंचकर्म सभागार में आयोजित तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) प्रद्योत प्रकाश ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) को तेजी से उभरता वैश्विक स्वास्थ्य संकट करार दिया, जो प्रतिवर्ष लाखों मौतों के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं के अत्यधिक एवं अनुचित उपयोग के कारण यह स्थिति बनती दिख रही है। इससे जीवाणु अपने आनुवंशिक स्वरूप में परिवर्तन कर एंजाइम उत्पादन, लक्ष्य संशोधन, एफ्लक्स पंप तथा बायोफिल्म निर्माण जैसे जटिल तंत्र विकसित कर लेते हैं। इससे संक्रमणों का उपचार अत्यंत जटिल हो जाता है। इस सत्र के दूसरे वक्ता डॉ. अमरेश कुमार सिंह ने एएमआर नियंत्रण के लिए सुदृढ़ एंटीबायोटिक नीति की आवश्यकता पर बल देते हुए बिना परीक्षण दवा उपयोग पर चिंता जताई और 'कल्चर एंड सेंसिटिविटी टेस्ट' को अनिवार्य बताया। दूसरे दिन के एक अन्य तकनीकी सत्र में डॉ. दीपा श्रीवास्तव ने "माइकोबायोम-आधारित एंटीमाइक्रोबियल्स" विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि स्थानीय सूक्ष्मजीव समुदायों से प्राप्त द्वितीयक मेटाबोलाइट्स एएमआर से निपटने के लिए प्रभावी विकल्प प्रस्तुत कर सकते हैं। इसी सत्र में प्रो. शरद कुमार मिश्रा ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आर्सेनिक प्रदूषण एवं उससे संबंधित जैविक उपचार की संभावनाओं पर अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए और पर्यावरणीय कारकों के एएमआर पर प्रभाव को रेखांकित किया। दूसरे दिन के अंतिम सत्र में प्रो. (डॉ.) शैलेन्द्र कुमार ने "अस्पताल अपशिष्टों के माध्यम से एंटीबायोटिक प्रतिरोध का पर्यावरणीय प्रसार" विषय पर व्याख्यान देते हुए अस्पतालों से निकलने वाले अपशिष्टों को एएमआर प्रसार का प्रमुख स्रोत बताया। इस सत्र के दूसरे वक्ता प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने ऑनलाइन माध्यम से "एएमआर पर आयुर्वेदिक दृष्टिकोण" प्रस्तुत करते हुए पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदिक सिद्धांत रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ कर एएमआर नियंत्रण में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। सत्र की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) गिरधर वेदांतम एवं सह-अध्यक्षता डॉ. अतुल रुकड़ीकर ने की।

आणविक, नैदानिक, पर्यावरणीय एवं पारंपरिक आयामों पर विशद विमर्श हुआ

गोरखपुर। स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय की तरफ से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "एएमआर-शील्ड 2026" के दूसरे दिन शुक्रवार को तकनीकी सत्रों की श्रृंखला में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के आणविक, नैदानिक, पर्यावरणीय एवं पारंपरिक आयामों पर विशद विमर्श हुआ। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर स्थित पंचकर्म सभागार में आयोजित तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) प्रद्योत प्रकाश ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) को तेजी से उभरता वैश्विक स्वास्थ्य संकट करार दिया, जो प्रतिवर्ष लाखों मौतों के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं के अत्यधिक एवं अनुचित उपयोग के कारण यह स्थिति बनती दिख रही है। इससे जीवाणु अपने आनुवंशिक स्वरूप में परिवर्तन कर एंजाइम उत्पादन, लक्ष्य संशोधन, एफ्लक्स पंप तथा बायोफिल्म निर्माण जैसे जटिल तंत्र विकसित कर लेते हैं। इससे संक्रमणों का उपचार अत्यंत जटिल हो जाता है। इस सत्र के दूसरे वक्ता डॉ. अमरेश कुमार सिंह ने एएमआर नियंत्रण के लिए सुदृढ़ एंटीबायोटिक नीति की आवश्यकता पर बल देते हुए बिना परीक्षण दवा उपयोग पर चिंता जताई और 'कल्चर एंड सेंसिटिविटी टेस्ट' को अनिवार्य बताया। दूसरे दिन के एक अन्य तकनीकी सत्र में डॉ. दीपा श्रीवास्तव ने "माइकोबायोम-आधारित एंटीमाइक्रोबियल्स" विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि स्थानीय सूक्ष्मजीव समुदायों से प्राप्त द्वितीयक मेटाबोलाइट्स एएमआर से निपटने के लिए प्रभावी विकल्प प्रस्तुत कर सकते हैं। इसी सत्र में प्रो. शरद कुमार मिश्रा ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आर्सेनिक प्रदूषण एवं उससे संबंधित जैविक उपचार की संभावनाओं पर अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए और पर्यावरणीय कारकों के एएमआर पर प्रभाव को रेखांकित किया। दूसरे दिन के अंतिम सत्र में प्रो. (डॉ.) शैलेन्द्र कुमार ने "अस्पताल अपशिष्टों के माध्यम से एंटीबायोटिक प्रतिरोध का पर्यावरणीय प्रसार" विषय पर व्याख्यान देते हुए अस्पतालों से निकलने वाले अपशिष्टों को एएमआर प्रसार का प्रमुख स्रोत बताया। इस सत्र के दूसरे वक्ता प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने ऑनलाइन माध्यम से "एएमआर पर आयुर्वेदिक दृष्टिकोण" प्रस्तुत करते हुए पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदिक सिद्धांत रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ कर एएमआर नियंत्रण में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। सत्र की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) गिरधर वेदांतम एवं सह-अध्यक्षता डॉ. अतुल रुकड़ीकर ने की।

नियम तोड़ने पर कार्यदाई संस्थाएं होंगी जिम्मेदार

परिवहन विशेष न्यूज

गोरखपुर। मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई, जिसमें डीआईजी रेंज एस. चनप्पा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ और जिलाधिकारी दीपक मीणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदाई संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य डंपरों के संचालन में हो रही अनियमितताओं, ओवरस्पीडिंग और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को रोकना तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने बैठक में बेहद कड़े शब्दों में कहा कि विकास कार्यों के नाम पर किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यदाई संस्थाओं को अपने अधीन संचालित सभी वाहनों पर सख्त निगरानी रखनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी नियमों का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि यह लगातार देखने में आ रहा है कि मिट्टी ढोने वाले डंपर तेज रफ्तार में सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे आम नागरिकों की जान जोखिम में पड़ रही है। कई मामलों में यह भी पाया गया है कि वाहन चलाने वाले चालक प्रशिक्षित नहीं होते या उनके पास वैध हैवी ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होता। इस तरह की लापरवाही सीधे-सीधे हादसों को न्योता देती है। डीआईजी रेंज एस. चनप्पा ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि डंपरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर ओवरस्पीडिंग, गलत रूट पर संचालन और नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बैठक में कहा कि पिछले पांच दिनों में डंपरों की चपेट में आकर लोगों का मौत होना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यदाई संस्थाएं अपने वाहनों की नियमित जांच कराएं और यह सुनिश्चित करें कि वाहन तकनीकी रूप से फिट हों।

वहीं जिलाधिकारी दीपक मीणा ने ड्राइवरों की योग्यता और जिम्मेदारी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि केवल 18 वर्ष से अधिक आयु के और वैध हैवी लाइसेंस धारक ही डंपर चलाएं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कई मामलों में यह देखा गया है कि डंपर चालक बगल में बैठा रहता है और खलासी वाहन चला रहा होता है, जो न केवल अवैध है बल्कि अत्यंत खतरनाक भी है। ऐसी प्रवृत्ति पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने अन्य सख़्त व आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अगर मौसम बिगड़ता है तो फसलों को पहुंच सकता है नुकसान

गोरखपुर। 20 मार्च शुक्रवार को दिन में धूप कमजोर नजर आए। जैसे जैसे दिन ढलता जा रहा था वैसे वैसे बादल और तेज हवाएं जोर पकड़ती जा रही थी। दोपहर बाद एकदम से बादल छा गए इसी के साथ तेज हवाएं भी और तेज हो गई। बादल छाए रहने और तेज हवाएं चलने की वजह से तापमान गिर गया तथा लोगों को गर्मी से राहत मिली। यही नहीं लगभग 3:00 बजे के बूंदाबांदी भी हुई। बादल छाए रहने और तेज हवाएं चलने तथा जगह-जगह मौसम बिगड़ने की खबर पाकर किसान चिंतित नजर आए। क्योंकि गेहूं सरसों आदि की फसल अब तैयार होने को है और अगर मौसम बिगड़ जाता है या बिगड़ेगा तो इसका असर फसल पर पड़ेगा। फसलों को नुकसान पहुंचेगा। किसानों ने बताया कि हवाओं के साथ अगर बारिश हो जाएगी तो गेहूं की फसलों में उकठा नाम का रोग पकड़ लेगा। उन्होंने बताया कि बारिश न हो इसी में सबकी भलाई है।

स्वदेशी जागरण मंच, देवघर ने धूमधाम से मनाया हिन्दू नव वर्ष

"टॉवर-चौक पर दीप-प्रज्जवलन कर उत्साह से किया -- हिन्दू नव वर्ष का स्वागत "

परिवहन विशेष न्यूज

देवघर। स्थानीय टॉवर चौक पर स्वदेशी जागरण मंच द्वारा भारतीय सनातन परंपरा, संस्कृति और नव चेतना का प्रतीक हिन्दू नव वर्ष पर दीप प्रज्जवलन कर पूरे उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर खूब मिठाइयां बांटी गई। मौके पर मंच के प्रान्त समन्वयक श्री मनोज कु० सिंह ने कहा कि सबों को हिन्दू नव वर्ष नव संवत्सर विक्रम संवत २०८ , युगाबद५१२८की बहुत-बहुत हार्दिक बधाई व अनंत शुभकामनाएँ । यह दिवस सृष्टि के नव आरंभ, धर्म सत्य और संस्कारों की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। हिन्दू नव वर्ष हमारी काल-गणना, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र बोध को सुदृढ़ करने वाला दिन है। इस दिन हम सब मिलकर नव-संकल्पों के साथ सशक्त भारत, समृद्ध भारत व विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें ,और दृढ़ता से सभी लोग स्वदेशी अपनाने का संकल्प ले। इस अवसर पर पूर्व विधायक नारायण दास, स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक संजय सिंह, श्री प्रभाष गुप्ता, अमर सिंहा, गिरीश सिंह, आशा झा, जीवेश सिंह, सुप्रिया गुप्ता, लक्ष्मी देवी चंद्रवंशी, तनुजा सिंह, विपिन अग्रवाल, संजीव सिंह, गुड्डू ब'का , सचिन सुल्तानिया, गौरी शंकर शर्मा, विद्यार्थी परिषद के राजीव जी,इत्यादि अनेको लोग मौजूद थे।

सिंधी समाज ने मनाया अपने ईष्टदेव भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव

श्रद्धापूर्वक किए वरूणावतार की अमर ज्योत के दर्शन

मथुरा। सिंधी उत्सव चेटीचण्ड पर्व के अंतर्गत सिंधी जनरल पंचायत ने वरूणावतार भगवान झूलेलाल का 1076 वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया।

मीडिया प्रभारी किशोर इसरानी ने बताया कि सिंधी एकता की प्रतीक सिंधी जनरल पंचायत ने बिगड़े मौसम को देखते हुए शहर में निकलने वाली झूलेलाल शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को स्थागित करते हुए होली गेट स्थित अप्सरा पैलेस में वरूणावतार की अमर ज्योत के दर्शन तथा सामुहिक सजातीय भण्डारा का ही आयोजन किया गया।

इस मौके पर सिंधी पंडित मोहनलाल महाराज ने झूलेलाल की अमर ज्योत प्रज्जवलित की, तदोपरांत सभी सिंधीजनों ने आयोलाल झूलेलाल के जयकारों से वातावरण गुंजायमान किया। बच्चे, युवा तथा सभी नर नारियों ने वरूणावतार भगवान झूलेलाल की अमर ज्योत के श्रद्धापूर्वक दर्शन किए। चेटीचण्ड पर्व की विशेष रौनक होली गेट स्थित अप्सरा पैलेस में दिखी। सिंधी समुदाय ने अपने इष्टदेव के जन्मोत्सव पर अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर, सपरिवार भागीदारी की। अप्सरा पैलेस में सामुहिक सजातीय भण्डारा प्राप्तकर आयोलाल-झूलेलाल की मस्ती में हर कोई डूब गया।

कार्यक्रम उपरांत मुख्य संयोजक रामचंद्र खत्री के नेतृत्व भगवान झूलेलाल की ज्योत को नाचते गाते बंगाली घाट तक ले गए। इस मौके पर सिंधी समुदाय की प्रसिद्व डंडेशाही का आकर्षक खास था, जिसमें डोल नफीरी की खनक के साथ नाचते नौजवानों की लय कदम ताल तथा डण्डों की खनक का रोमांचकारी प्रदर्शन दर्शनीय था। सभी ने डंडेशाही में करतब दिखाते युवकों की सराहना की। इसमें सिंधी जनरल पंचायत के वरिष्ठ व वयोवृद्व कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी के सदस्य बहुसंख्या में चल रहे थे। बच्चों और महिलाओं का उत्साह देखते ही न रहा था। सिंधी समुदाय के सबसे बडे पर्व चेटीचण्ड झूलेलाल जयंती के अवसर पर तमाम लोगों ने अपने घरों में भी रोशनी की । सुबह से देर शाम तक निरंतर समाज के लोगों का उत्साह बना रहा, झूलेलाल जन्मोत्सव की समाप्ति अमर ज्योत के यमुना मे विसर्जन के साथ हुई।

सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायण दास लखवानी ने कहा कि बिगड़े मौसम के वावजूद सिंधीजनों ने अपने उत्साह को बरकरार रखते हुए, स्वयं को राष्ट्रीय धारा के साथ जोड़कर अपनी संस्कृति और सभ्यता एवं सिंधी बोली को कायम रखने में जो योगदान दिया है इसके लिए सभी धन्यवाद के पात्र हैं।

इस मौके पर सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायणदास लखवानी, मुख्य संयोजक रामचंद्र खत्री, महामंत्री बसंतलाल मंगलानी, तुलसीदास गंगवानी, जीवतराम चन्दानी, डा. प्रदीप उकरानी, कन्हैयालाल भाईजी, गुरुमुखदास गंगवानी, सुरेशचन्द मेठवानी, जितेन्द्र लालवानी, भगवान दास मंगवानी बेबूभाई, रमेश नाथानी, जितेन्द्र भाटिया, पीताम्बरदास रोहेरा, झामनदास नाथानी, चन्दनलाल आडवानी, सुदामालाल खत्री, हरीश चावला, अशोक अंदानी, गिरधारी नाथानी, अनिता चावला, महेश घावरी, कन्हैयालाल खत्री एडवोकेट, सुरेश मनसुखानी, विष्णु हेमानी, अनिल मंगलानी, मिर्चु कोतकवानी, तरुण लखवानी, मन्नू मंगलानी, लक्ष्मणदास वाधवानी, अशोक डाबरा, अमित आसवानी, विशनदास आदि ने सभी को नवसंवत्सर की बधाई प्रेषित की।

ज्योत कराती है भगवान झूलेलाल की मौजूदगी का एहसास

वरूणावतार भगवान झूलेलाल हीं एकमात्र ऐसे अवतार जिन्होंने पापियों का संहार नहीं किया बल्कि उनका हदय परिवर्तन कर उन्हें प्रेम शांति साम्प्रदायिक सद्भाव, एकता व अखण्डता का संदेश दिया। भगवान झूलेलाल के जीवन पर शोध कर चुके लेखक किशोर इसरानी ने बताया कि अवतरण के बाद भगवान झूलेलाल ने मात्र 13 वर्ष तक की उम्र तक ही सिंधी समुदाय का मार्गदर्शन किया। संवत1007 (सन-951ई) को जन्में वरूणावतार झूलेलाल संवत1020 (सन-964 ई) के भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी पर जल समाधि लेकर अंतर्धान हो गए। आज भी लाल साई की ज्योति जलती रहती है जो भगवान झूलेलाल की मौजूदगी का एहसास कराती है।

लिवासा अस्पताल अमृतसर में टीएवीआर प्रोसीजर से 77 वर्षीय सीओपीडी रोगी को नया जीवन मिला

अमृतसर 20 मार्च (साहिल बेरी)

अमृतसर: लिवासा अस्पताल अमृतसर में गंभीर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और गंभीर महाधमनी स्टेनोसिस से पीड़ित 77 वर्षीय रोगी को सफल ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रतिस्थापन (टीएवीआर) प्रोसीजर के बाद नया जीवन मिला।शुक्रवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, लिवासा अस्पताल अमृतसर में कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट ,डॉ. अर्जुन वेद गुप्ता ने प्रक्रिया की नैदानिक जटिलता और सफलता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, "रोगी की गंभीर सीओपीडी और दुर्बलता के कारण यह एक उच्च जोखिम वाला मामला था। टीएवीआर ने हमें रोगी को ओपन-हार्ट सर्जरी के तनाव से गुजरे बिना खराब वाल्व को बदलने की अनुमति दी। तेजी से रिकवरी और लक्षणों में सुधार सावधानीपूर्वक चयनित रोगियों में न्यूनतम इनवेसिव कार्डियक हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता की पुष्टि करता है।"

रोगी को पहले तो नियमित गतिविधियों के दौरान और अंततः बोलते समय भी धीरे-धीरे बिगड़ती हुई सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। आगे की जांच से गंभीर और अक्सर अनदेखा किया जाने वाला कारण गंभीर महाधमनी स्टेनोसिस, महाधमनी वाल्व का संकुचन जो हृदय से रक्त प्रवाह को काफी हद तक प्रतिबंधित करता है, सामने आया।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि रोगी के फेफड़ों की नाजुक स्थिति और समग्र दुर्बलता को देखते हुए, पारंपरिक ओपन-हार्ट सर्जरी में बहुत जोखिम था और इसे असुरक्षित माना गया।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि लिवासा अस्पताल अमृतसर में एक मल्टीडिसीप्लिनरी हार्ट टीम ने मामले का सावधानीपूर्वक आकलन किया और कम से कम चीर-फाड़ वाली, कैथेटर-आधारित प्रक्रिया टीएवीआर का विकल्प चुना, जो छाती को खोले बिना खराब वाल्व को बदल देती है।

सत्ता परिवर्तन मे महिलाओ का अहम भूमीका

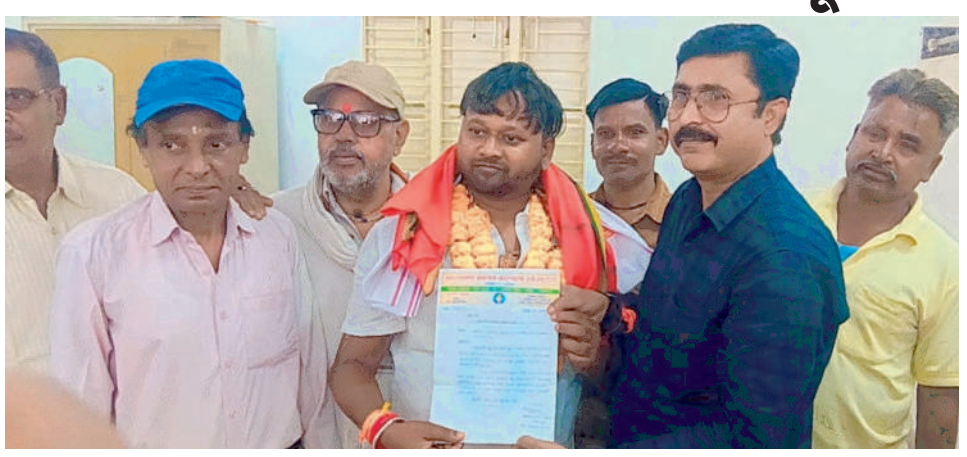

झरिया,झारखण्ड मानव कल्याण सोसाईटी के नेतृत्व मे धनबाद नगर निगम नव निर्वाचीत उप मेयर माननीय अरूण कुमार चौहान जी के अभिन्नदन समारोह का आयोजन दिनांक 29,3,2026 समय दोपहर 12बजे,स्थल झरिया प्रेस क्लब झरिया मे अध्यक्ष रामा शीष चौहान की के अध्यक्षता मे सम्पन्न होगा। माननीय उप मेयर के हाथो से सत्ता परिवर्तन मे अहम भूमीका निभाने वाली महिलाओ को सम्मानीत किया जायेगा। और वंचित समाज की महिलाओ के उत्थान के लिये कई योजनाओ पर विस्तार से चर्चा करेंगे। जिस से बेरोजगार महिलाओ को आर्थीक अजादी दिलाने मे मदद मिलेंगे। धनबाद नगर निगम मे काम करने वाली CRP महिलाओ के वर्षो पुरानी मांग पर अपना विचार रखेंगे। सम्मान समारोह मे उपस्थीत,सकलदेव बिन्द, राष्ट्रीय अध्यक्ष जल मित्र समाजिक संगठन, अशोक कुमार पाण्डे,झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष,वंचित मुक्ती मोर्चा,प्रदेश महा सचिव सुनिल कुमार वर्मन, सचिव,दिनानाथ सिंह, राज कुमार चौहान , जिला अध्यक्ष,संजय चौहान युवा नेता सह समाज सेवी,बशिष्ठ चौहान ,भा,ज,पा नेता सह समाज सेवी,कन्हैया चौहान ,समाज सेवी ,हिरा लाल चौहान वरिष्ठ अधिवक्ता ,बिहारी लाल चौहान वरिष्ठ नेता, लो,ज,पा सह समाज सेवी,उमा शंकर चौहान वरिष्ठ नेता जे,एम,एम ,मन्टू चौहान , धनबाद नगर अध्यक्ष जे,एम,एम ,मदन राम धनबाद जिला उपाध्यक्ष जे,एम,एम ,शंकर चौहान ,धनबाद जिला अध्यक्ष,धनबाद जिला चौहान महा संघ ,अरूण कुमार नोनिया,झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष RNSS उपस्थित रहेंगे।

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिला के बहरागोड़ा में मिला पुराना अमेरिकी बम

निकट चाकुलिया रहा दुसरे विश्वयुद्ध में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा ऐयरबेश , अमेरिकी बम वर्षक B-29 यहीं से उड़ान भरते थे

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड -झारखंड

जमशेदपुर , बहरागोड़ा में मंगलवार को अवैध बालू उत्खनन के दौरान एक भारी भरकम लोहे की वस्तु मिलने से सनसनी फैल गई. ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि यह लोहे की वस्तु द्वितीय विश्व युद्ध के समय का कोई जीवित बम का अवशेष हो सकता है. कारण नब्बे के दशक में में भी इस इलाके से बम मिलते रहे हैं.

बताया जा रहा है कि बहरागोड़ा प्रखंड की बोरागाड़िया पंचायत के पानीपड़ा-नागुडसाई स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट पर कुछ लोग अवैध रूप से बालू का उत्खनन कर रहे थे, तभी जमीन के काफी नीचे किसी कठोर धातु के टकराने का अहसास हुआ. कौतूहलवश जब ग्रामीणों ने मिलकर उस जगह की पूरी खुदाई की, तो लोहे की एक विशालकाय और अजीबोगरीब वस्तु बाहर निकली.जो दुसरे विश्वयुद्ध के समय का बम था . पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित निकट चाकुलिया द्वितिय विश्वयुद्ध के दौरान 1942-1945तक ब्रिटिश सेना का फाइटर प्लेन से बर्मा ,थाईलैंड, जापान में हमला किया जाता रहा. तब यह दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा ऐयरबेश हुआ करता करता था .

90 के दशक में जब मैं जमशेदपुर में देश के कुल 14 शहरों से प्रकाशित दैनिक 'आज' से का संबाद दाता सह कार्यालय में होता था, तब इन क्षेत्रों में कुछ पुराने अमेरिकी बम बिखरें पड़े होने के खबर आते थे .द्वितीय विश्व युद्ध में चाकुलिया ऐयरबेश का उपयोग देखा जाय तो खबर आता है कि इसका नक्शा अंग्रेजी सेना के पास था . जहां अमेरिका से लाये गये सेना के 40वें बमवर्षक समुह द्वारा 1942-45 लड़ाकु एयर क्राफ्ट B-29 उड़ान भरते थे .1945 के बाद अंग्रेज इस युद्ध एयरबेस छोड़ हट गये थे .

अब जो बम मिला है बताया जाता है कि यह जिंदा बम प्रारंभिक जांच में करीब 227 किलो (500 पाउंड) वजन का अत्यंत घातक तथा अमेरिका द्वारा निर्मित "AN-M64 500-LB" बम है, जिस पर "American Made Unexploded (UXO)" अंकित है। विशेषज्ञों के अनुसार,

इस प्रकार के बम का उपयोग मुख्य रूप से द्वितीय विश्व युद्ध (World War II) के दौरान और उसके बाद के शुरुआती सैन्य अभियानों में किया जाता था.

गुरुवार को जांच के लिए पहुंचे दस्ते के प्रभारी नंदकिशोर सिंह ने बताया कि बम काफी बड़ा और घातक है. इसकी गंभीरता को देखते हुए इसे सामान्य तरीके से नष्ट नहीं किया जा सकता. इसे निष्क्रिय करने के लिए उच्च स्तरीय तकनीकी कौशल की आवश्यकता है, जो केवल भारतीय सेना के पास ही उपलब्ध है.

इधर, बम की पुष्टि होने पर स्थानीय प्रशासन ने नदी में बम मिलने वाले स्थान की पूरी तरह से घेराबंदी कर दी है. इसके साथ ही एक चौकीदार को भी तैनात कर दिया गया है. आसपास के ग्रामीणों को सख्त हिदायत दी गयी है कि वे उस क्षेत्र की ओर न जाए और बम के साथ किसी भी प्रकार से छेड़छाड़ नहीं करें.

वहीं नदी के पार पश्चिम बंगाल है. वहां की पुलिस ने भी स्थानीय लोगों की सुरक्षा को देखते हुए चौकीदारी की ड्यूटी लगा दी है. बता दें कि सात माह पहले भी पश्चिम बंगाल में ऐसा ही एक बम मिला था. जिसके बाद जिला प्रशासन ने बम को उसी स्थान पर रखवा दिया था. वहीं इस मामले में भारतीय सेना को सूचित कर दिया गया है.

सात माह पहले पश्चिम बंगाल के गोपीबल्लवपुर थाना क्षेत्र के आशुई के निकट भरमपुर गांव के समीप स्वर्णरेखा नदी में ठीक इसी प्रकार का एक बम पाया गया था. उसे प. बंगाल प्रशासन ने कलाईकुंडा एयर फोर्स के अधिकारियों के सहयोग से निष्क्रिय करवा दिया था.मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसकी पुष्टि यूटियूब पर भी की थी ।

पचास हजार रिश्वत लेते फंसा झारखंड का नया अधिकारी जो अपना पहला वेतन तक नहीं छुआ था

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड - झारखंड

रांची, झारखंड में युवा पीढ़ी के अधिकारियों का रिश्वत के प्रति क्रेज कैसा है इस घटना से सहज अंदाजा लगाया जा सकता, जो पब्लिक सर्वेंट के चरित्र को काफी दागदार बना दिया है . रिश्वत लेते का एक अजीबोगरीब मामला यहां सामने आया है जिसे देश दुनिया को आज जानना चाहिए . झारखंड 12वीं पब्लिक सर्विस कमीशन पास कर आपूर्ति अधिकारी बना युवक 40 हजार रुपए रिश्वत लेते एसीबी जला में तब फंसा जब वह अपना वास्तविक प्रथम सैलरी भी उठाया नही था ।इतना ही नहीं अपनी ईमानदारी का दुहाई भी देने नहीं भूलता यह सप्लाई आफिसर नंदन जो गरिबों की अनाज पर चोरी का हिस्सा लेने आगे था .

नंदन कुमार नामक इस बरहरवा प्रखंड के नये अधिकारी ने सभी डीलरों को मिलाकर कुल 50 हजार रुपये प्रतिमाह जमा करने का फरमान जारी कर दिया. जिसकी जानकारी सभी डीलरों को मिली तो उन्होंने अपने संगठन के अध्यक्ष आलमगीर आलम को दिया. जिसके बाद आलमगीर आलम ने इसकी सूचना एंटी करप्शन ब्यूरो दुमका को दी तथा एसीबी की टीम नंदन कुमार को दबोचने के लिये पैर में हवाई चप्पल, कंधे पर गमछा और बिखरे हुये बाल बनाकर एक आम आदमी की तरह गुरुवार की दोपहर करीब 12 बजे बरहरवा प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर आस-पास भटकने लगे. जैसे ही आलमगीर आलम ने नंदन कुमार को रिश्वत के रूप में 40 हजार रुपये दिया. एसीबी की टीम ने धावा बोल दिया और नंदन कुमार को रंगे हाथों धर दबोचा. प्रक्रिया पूरी करने के बाद नंदन कुमार को टीम दुमका स्थित कार्यालय ले गयी. जहां पर पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर दुमका सेंट्रल जेल भेजने दिया.

ज्ञात हो कि बरहेट प्रखंड में 24 जुलाई 2025 को एसीबी ने जनमन आवास योजना के नाम पर 3500 रुपये घूस लेते पंचायत सचिव संतोष कुमार को भी गिरफ्तार किया था. संतोष मूल रूप से बरहरवा प्रखंड के रतनपुर के रहने वाले हैं. दो दिन पहले ही एक सरकारी पदाधिकारी के पास बैठकर ईमानदारी की दे रहे थे दुहाई एसीबी के द्वारा बरहरवा के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नंदन कुमार की गिरफ्तारी के बाद यह खबर पूरे जिले में आग की तरफ फैल गयी. हर कोई उनकी इस कार्यशैली को लेकर सवाल खड़ा कर रहा है. नंदन कुमार दो दिन पहले ही एक सरकारी पदाधिकारी के कार्यालय में अपनी ईमानदारी की दुहाई दे रहा थे, लेकिन उनकी यह दुहाई के बाद गिरफ्तारी की खबर चर्चा का विषय बन गया है.

डॉ. गीतांजलि अरोड़ा: संवेदना, सृजन और सशक्त नारीत्व की उज्ज्वल प्रेरणा

----- डॉ. शंभु पंवार

शब्दों की साधिका, भावनाओं की मधुर अभिव्यक्तिकार और समाज-चेतना की सशक्त वाहक—डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा 'गीत' आज साहित्य, समाजसेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी पहचान बन चुकी हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत प्रख्यात लेखिका,साहित्यकार,

प्रेरक मोटिवेशनल काउंसलर 'गीत' जी का व्यक्तित्व बहुआयामी होने के साथ-साथ अत्यंत सरल, सहज, मधुर और मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत है। उनकी विनम्रता, परोपकारिता, दयालुता और इंसानियत के प्रति समर्पण उन्हें एक विशिष्ट और सम्माननीय व्यक्तित्व प्रदान करता है।

दिल्ली की पावन धरा पर जन्मी डॉ. गीतांजलि अरोड़ा ने अपने संस्कारों की नींव श्री चरणजीत सचदेवा एवं श्रीमती सुमित्रा देवी सचदेवा से प्राप्त की। बचपन से ही साहित्य और सृजन के प्रति उनकी गहरी रुचि रही, जिसने आगे चलकर उन्हें हिंदी साहित्य जगत में एक सशक्त हस्ताक्षर के रूप में स्थापित किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त की तथा लाल बहादुर शास्त्री संस्थान से ब्यूटी, ड्रेस डिजाइनिंग एवं पाक कला में डिप्लोमा लेकर अपने व्यक्तित्व को और अधिक निखारा।

उनके जीवनसाथी श्री नीरज अरोड़ा ने उनके साहित्यिक सफर को निरंतर प्रोत्साहित किया। उनके सहयोग से 'गीतांजलि काव्य प्रसार मंच' की स्थापना हुई, जो आज साहित्यिक गतिविधियों का एक सशक्त मंच बन चुका है। वर्तमान में वे एक सफल लेखिका, शिक्षिका, समाजसेविका और मोटिवेशनल काउंसलर के रूप में सक्रिय हैं। साथ ही, वे श्री राधा कृष्ण वेलफेयर सोसाइटी की महासचिव एवं गीतांजलि काव्य प्रसार मंच, दिल्ली की राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निरंतर समाज और साहित्य को नई दिशा दे रही हैं।

डॉ. गीतांजलि 'गीत' का व्यक्तित्व केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका आचरण भी उतना ही प्रेरणादायी है। वे सहजता से लोगों से जुड़ती हैं, जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहती हैं और अपने व्यवहार से मानवता की सच्ची मिसाल प्रस्तुत करती हैं। उनकी मधुर वाणी और सहृदयता हर मिलने वाले के हृदय में अपनापन भर देती है।

वर्ष 2025-26 उनके लिए विशेष उपलब्धियों का काल रहा। प्रसार भारती, भारत सरकार द्वारा आयोजित विश्व के सबसे बड़े 70वें सर्वभाषा कवि सम्मेलन में डोगरी भाषा की अनुवादक कवि के रूप में उनकी सहभागिता उनके साहित्यिक कौशल का प्रमाण है। भारतीय भाषा दिवस पर बहुभाषी काव्य पाठ में पंजाबी भाषा का प्रतिनिधित्व कर उन्होंने भाषाई एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर संदेश दिया।

महिला सशक्तिकरण एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें दिल्ली महिला आयोग, वॉइस ऑफ क्राइम, धरा धाम इंटरनेशनल एवं एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें ग्लोबल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (अमेरिका), विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ, युगांडा के वैश्विक मंत्रालय एवं शिष्यत्व संस्थान तथा नाइजीरिया के गुड समरिटन थियोलोजिकल सेमिनरी इंटरनेशनल द्वारा मानद डॉक्टरेट उपाधियाँ प्रदान की गई हैं।

इसके अतिरिक्त कबीर कोहिनूर अवार्ड, महादेवी वर्मा सम्मान, हिंदी भूषण सम्मान, ज्ञान विभूषण सम्मान, भारतेंदु हरिश्चंद्र अंतरराष्ट्रीय गौरव सम्मान, निराला साहित्य सम्मान तथा इंटरनेशनल पेंस ऑफ कॉन्शियस अवॉर्ड सहित 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से उन्हें अलंकृत किया जा चुका है—जो उनके व्यापक साहित्यिक और सामाजिक योगदान का सशक्त प्रमाण है।

साहित्य सृजन के क्षेत्र में भी उनका योगदान निरंतर प्रवाहमान है। उनके एकल काव्य संग्रह "समर्पण" और "भावांजलि" पाठकों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। इसके अलावा 20 से अधिक साझा काव्य संग्रहों में उनकी रचनाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं तथा कई कृतियाँ प्रकाशनाधीन हैं।

उनकी रचनात्मकता केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि आकाशवाणी नई दिल्ली एवं नोएडा एफएम 107.4 पर उनके काव्य पाठ और साक्षात्कार भी प्रसारित हो चुके हैं। भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका और कनाडा के विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में उनकी रचनाएँ प्रकाशित होकर वैश्विक पाठकों तक पहुँच रही हैं।

डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा 'गीत' का जीवन इस सत्य का सजीव उदाहरण है कि सच्ची लगन, निरंतर परिश्रम, सकारात्मक सोच और मानवता के प्रति समर्पण से व्यक्ति न केवल अपनी पहचान स्थापित करता है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का प्रकाश स्तंभ भी बनता है।

जन्मदिवस के इस पावन अवसर पर हम उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर साहित्य साधना की कामना करते हैं। वे इसी प्रकार अपने मधुर व्यक्तित्व और सृजनशीलता से साहित्य, समाज और राष्ट्र को समृद्ध करती रहें—यही हमारी हार्दिक शुभकामना है।

बिहार दिवस 2026: शिक्षा विभाग की तैयारियाँ तेज, पूर्वी चंपारण के दो शिक्षक मृत्युंजय कुमार एवं विनोद कुमार राज्य स्तरीय आयोजन हेतु चयनित

परिवहन विशेष न्यूज

मोतिहारी। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य परियोजना निदेशक द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के आलोक में बिहार दिवस–2026 को इस बार और अधिक भव्य एवं प्रभावशाली बनाने की तैयारी तेज कर दी गई है। 22, 23 एवं 24 मार्च को ऐतिहासिक गांधी मैदान, पटना में आयोजित होने वाले इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की गई है। शिक्षा विभाग के पवेलियन में इस अवसर पर नवाचार आधारित शिक्षण मॉडल, गणित ओलंपियाड, क्विज प्रतियोगिता, चित्रकला, सह-शैक्षिक गतिविधियाँ एवं छात्र प्रतिभाओं के प्रदर्शन जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता, बौद्धिक क्षमता एवं आत्मविश्वास को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण आयोजन के सफल संचालन हेतु राज्यभर से चयनित शिक्षकों एवं व्याख्याताओं की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसी क्रम में पूर्वी चंपारण जिले के लिए गौरव की बात है कि जिले से दो ऊर्जावान एवं समर्पित शिक्षकों का चयन हुआ है। चयनित शिक्षकों में मृत्युंजय कुमार, नवसृजित प्राथमिक विद्यालय खुटौना यादव टोला तथा विनोद कुमार, नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बेलाहीराम पूर्वी (प्रखंड–पताही) शामिल हैं।

इन दोनों शिक्षकों को 20 मार्च से 25 मार्च 2026 तक पटना में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया है।

पूर्वी चंपारण के इन शिक्षकों के चयन से जिले में हर्ष का माहौल है। यह उपलब्धि न केवल संबंधित विद्यालयों बल्कि पूरे जिले के शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

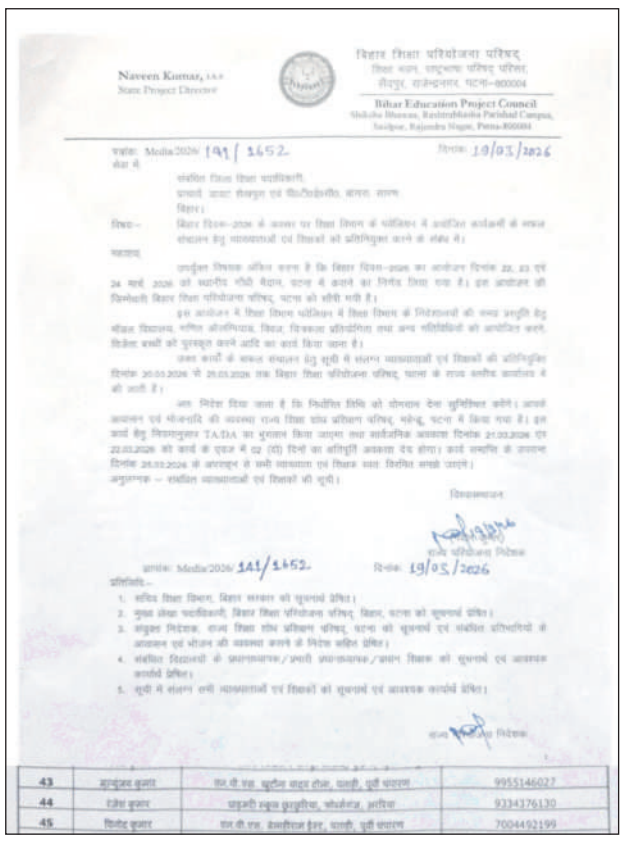

29 को तमिलनाडु में होगी हिन्द मजदूर किसान पंचायत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक : राकेश मणि

सुनील बाजपेई

कानपुर। मजदूरों श्रमिकों हर वर्ग के कर्मचारियों के हित में सफल संघर्ष के लिए देशभर में चर्चित हिन्द मजदूर किसान पंचायत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आगामी 29 मार्च को होने जा रही है।

यह जानकारी देते हुए राष्ट्रीय सचिव राकेशमणि पाण्डेय ने बताया कि हिन्द मजदूर किसान पंचायत के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आगामी 29 मार्च को होने वाली यह बैठक धरगा नेचुरल फार्म, किललई, (पिचवरम एक टूरिस्ट स्थल है) पिचवरम चिदम्बरम कुडालोर तमिलनाडु में आहूत की गई है, जिसमें भारत सरकार द्वारा जारी चार लेबर कोड और अन्य श्रमिक समस्याओं पर गहनता से चर्चा के साथ ही अगले वर्ष 26, 27 कार्य समिति पर विचार भी किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस महत्वपूर्ण बैठक में उत्तर प्रदेश से भी सभी केन्द्रीय कार्य समिति के पदाधिकारी और सदस्य 28 मार्च 2026 को ही चेन्नई होते हुए कुला डोर तमिलनाडु में पहुँच रहे हैं। वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेशमणि पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रीय कार्य समिति की यह बैठक वर्तमान परिवेष में अत्यन्त महत्वपूर्ण है, जिसमें देश के सभी राज्यों से प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

उन्होंने बताया की देश विदेश व अन्तर्राष्ट्रीय स्थितियों पर श्रमिकों की क्या भूमिका होगी और भारत के मजदूरों पर इसका क्या प्रभाव पड़ने वाला है। इस पर चर्चा के लिए यह बैठक आयोजित की गयी है, जिसमें अन्य श्रमिक संगठनों के साथ सहभागिता, संघर्ष और भारत सरकार द्वारा जारी चार लेबर कोड के संदर्भ में गुण दोषों पर विचार किया जायेगा।

इस बारे में यह भी अवगत कराते चलें कि हिन्द मजदूर किसान पंचायत गैर राजनैतिक संगठन के रूप में मजदूरों के हितार्थ स्व० जार्ज फर्नांडिस के संघर्षों के आदर्शों पर चलते हुए उनके द्वारा स्थापित दिशा निर्देशों के अनुरूप हिन्द मजदूर किसान पंचायत मजदूरों की अगुवाई कर रही है और तमाम क्षेत्रों में अपने संघर्ष की उपयोगिता भी सिद्ध की है,

वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेश मणि पांडे ने यह भी बताया कि जिन स्थितियों और समस्याओं के लिए हिन्द मजदूर किसान पंचायत ने प्रारम्भ से ही अपने संघर्ष को बढ़ाने का कार्य किया है और मजदूर वर्ग को चेतावनी दी थी। आज वह सामने स्पष्ट रूप से दिखाई भी दे रही है। वह चाहे पुरानी पेंशन की उपयोगिता हो, नेशनल वेज पालिशी हो, समान कार्य वेतन सिद्धान्त हो या अन्य श्रमिक समस्याए हों।

एचएमकेपी के राष्ट्रीय महासचिव राकेश मणि पांडेय ने दावा किया कि एकजुटता व संघर्ष के बल पर सभी संगठनों को साथ लेकर हिन्द मजदूर किसान पंचायत ने अगुवाई की है। किन्तु अलग थलग संगठनों के अव्यवहारिक व उदासीन रवैये के फलस्वरूप मजदूरों के संघर्ष में लगातार गिरावट आ रही है। काम के घण्टे बढ़ाये जा रहे है। न्यूनतम मजदूरी व परिवर्तनीय महंगाई भत्ता निश्चित समयों पर नहीं दिया जा रहा। वर्गीकरण के चलते मजदूरों में बटवाया हो रहा है, जो अत्यन्त ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हिन्द मजदूर किसान पंचायत इन संघर्षों को श्रमिकों मजदूरों और कर्मचारियों के हित में सदैव आगे बढ़ता रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023